शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 79 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 18 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नायब सैनी बने हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री पेज 2
काति बिहू के दीयों से रोशन हुआ राज्य पेज 3
हरियाणा : नायब सरकार के शपथ ग्रहण पर राजग ने दिखाई एकजुटता पेज 5
नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सोने के साथ मिलकर चांदी भी सोने जैसी दिखाई पड़ेंती है अर्थात सत्संग का प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ेंता है।

– आचार्य चाणक्य

असम में धारा 6-ए वैध : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजे / हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6-ए को संवैधानिक करार दिया है। ये धारा 1 जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के बीच असम में आए प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देती है। कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा है कि 25 मार्च 1971 के बाद भारत में आने वाले अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना जरूरी है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि असम में अवैध प्रवासियों/विदेशियों की शिनाख्त करने का काम करने वाली मौजूदा मशीनरी और ट्रिब्यूनल्स जरूरत के लिहाज से नाकाफी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इमिग्रेशन और नागरिकता संबंधी कानूनों के क्रियान्वयन को केवल अधिकारियों की इच्छा और विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए इस कोर्ट द्वारा इसकी निरंतर निगरानी जरूरी है। इसके लिए चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष बेंच का गठन करें, जो मामले की निगरानी करे। वहीं, बहुमत के फैसले से असहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि 1 जनवरी 1966 और 25 मार्च 1971 के बीच असम आने वाले प्रवासियों को नागरिकता देने का प्रावधान करने वाली धारा 6-ए मनमानी और संवैधानिक रूप से अवैध है। जाली दस्तावेजों के आने की वजह से इस धारा की खुली प्रकृति का दुरुपयोग

होने की अधिक आशंका है। जस्टिस पारदीवाला ने 127 पन्नों के असहमति वाले आदेश में कहा कि समय के साथ धारा 6-ए की प्रकृति का दुरुपयोग होने की आशंका ज्यादा हो गई है, क्योंकि इसमें असम में आने की गलत तारीख, गलत वंशावली और भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा बनाए गए जाली रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। ताकि उन अवैध प्रवासियों को सहायता पहुंचाई जा सके जो 24 मार्च 1971 के बाद असम आए लेकिन धारा 6-ए के तहत पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि धारा 6-ए आवेदन की आखिरी तारीख के बिना असम में और अधिक आव्रजन को बढ़ावा देती है। अप्रवासी जाली कागजात के साथ आते हैं। ताकि पकड़े जाने पर न्यायाधिकरण के समक्ष मामला पहुंचने पर -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौते की तर्कसंगतता पुनः स्थापित हुई : आसू

गुवाहाटी। 1985 के असम समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में से एक, अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने गुरुवार को समझौते की कट-ऑफ तिथि के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इसने ऐतिहासिक समझौते की *तर्कसंगतता* को पुनः स्थापित किया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपना फैसला सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद, आसू ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह असम के संघर्षशील लोगों की जीत है, जो पिछले चार दशकों से निःस्वार्थ भाव से असम समझौते के पक्ष में खड़े रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को बहुमत के फैसले में नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जो 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 के बीच असम में आए प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करती है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान है। आसू ने एक बयान में कहा कि इस फैसले ने असम आंदोलन और असम समझौते की तर्कसंगतता को फिर से स्थापित किया है। हम इस ऐतिहासिक अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। हम फिर से मांग करते हैं कि असम समझौते के हर खंड को पूरी तरह से लागू किया जाए। असम समझौते पर 1985 में छह साल तक चले हिंसक विदेशी विरोधी आंदोलन के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते में अन्य प्रावधानों के अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य भर में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने की उठी मांग

गुवाहाटी। असम में विपक्षी दलों और विभिन्न संगठनों ने गुरुवार को मांग की कि सरकार 24 मार्च 1971 के बाद राज्य में प्रवेश करने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू करे। यह मांग सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उपजी है। अदालत ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को बरकरार रखा, जिसमें अप्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने के लिए 1971 की कट-ऑफ तिथि को वैध ठहराया गया। 1971 की कट-ऑफ तिथि 1985 के असम समझौते से जुड़ी है, जो छह साल तक चले खूनी असम आंदोलन के अंत में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के बीच हस्ताक्षरित हुआ था। समझौते में कहा गया है कि 24 मार्च, 1971 के बाद असम में प्रवेश करने वाले अवैध अप्रवासियों, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, का पता लगाया जाना चाहिए और उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए। कुछ विपक्षी दलों ने मांग की कि असम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के दायरे से बाहर रखा जाए, क्योंकि यह 1971 की कट-ऑफ तिथि के विपरीत है। सीएए को लागू करके केंद्र सरकार ने बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 तक भारत में प्रवास करने वाले छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का प्रयास किया। कांग्रेस, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), रायजोर दल, असम जातीय परिषद (एजेपी) के अलावा आसू और असम पब्लिक वर्क्स (एपीडब्ल्यू) ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने मांग की कि इस फैसले के साथ, अदालत ने इस बहस को खत्म कर दिया है कि विदेशियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने का आधार 1971 या 1951 होना चाहिए। सरकार को 25 मार्च, 1971 के बाद असम में आए सभी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चिराग पासवान के साथ सीएम शर्मा ने की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)। असम सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने बीच आपसी महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान खास तौर पर असम में निवेश को आगे -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में तीन बांग्लादेशी व चार दलाल गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा में अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों ने तीन बांग्लादेशी नागरिकों तथा चार भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया है। त्रिपुरा पुलिस, रेलवे पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा अलग-अलग अभियानों के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के रहीमपुर बॉर्डर आउटपोस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

असम में रेल हादसा, लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के आठ डिब्बे पटरी से उतरे

हाफलांग। असम के डिबालोंग स्टेशन के पास ट्रेन डिरेल हो गई है। लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे ने बताया है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यह हादसा लमडिंग डिवीजन के लमडिंग-बदरपुर हिल सेक्शन में हुआ है। ट्रेन गुरुवार सुबह मुंबई जाने के लिए अगरतला से रवाना हुई थी। इस घटना को लेकर सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने भी जानकारी दी है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे जोन के सीपीआरओ ने बताया कि लोकमान्य तिलक

एक्सप्रेस असम के डिबालोंग स्टेशन पर दोपहर करीब 3 बजकर 55 मिनट पर पटरी से उतर गई। ट्रेन के पावर कार और इंजन समेत 8 डिब्बे पटरी से उतरे। हालांकि, किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारियों की टीम -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार के सारण और सिवान में जहरीली शराब से 25 की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में सिवान और सारण जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। जिला प्रशासन की तरफ से 25 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। बिहार के पुलिस महानिदेशक आलोक राज ने बताया कि सारण-सिवान में जहरीली शराब पीने से अब तक 25 लोगों की मौत हुई है। सीवान में 20 और सारण में 5 लोगों की मौत की होने की सूचना है। इस मामले में

पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। शराब माफिया के ऊपर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। निर्माण, भंडारण और सप्लाई करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। पटना मद्य निषेध विभाग के सचिव और पुलिस अधीक्षक को भी क्षेत्र में भेजा गया है। इन लोगों को निर्देशित किया गया है कि पूरी समस्याओं को देखें और एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करें ताकि सब पर कारगर कार्रवाई की जा सके। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। डीजीपी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि पर्व त्योहार के दौरान इस तरीके की घटना हमारे पुलिस - प्रशासन की चूक है। जिन लोगों के कारण यह चूक हो रही है उन्हें चिह्नित कर उचित कार्रवाई की जाएगी। दो अलग-अलग टीमों ने दोनों जिलों में छापेमारी की है। फॉरेंसिक टीम ने अहम नमूने भी जुटाए हैं। सारण और सिवान में 25 लोगों की जान चली गई है। कई लोगों की आंखों की रोशनी भी छिन गई है। इस घटना को लेकर जो टीम गठित की गई है, उसमें एक टीम पुलिस महकमा के अंतर्गत गठित मद्यनिषेध इकाई की है, -शेष पृष्ठ दो पर

मोरीगांव जेल ब्रेक : दो वार्डन निलंबित

मोरीगांव। मोरीगांव जिला जेल में सुरक्षा भंग होने के बाद पांच कैदियों के जेल से भागने के बाद, प्राधिकारियों ने जेल से भागने की दुस्साहसिक घटना में कथित लापरवाही

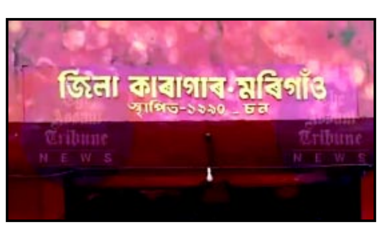

के लिए वार्डन तपन भुइयां और अनूप मालाकार को निलंबित कर दिया है। यह निलंबन जेल महानिरीक्षक (आईजी) और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) की जांच रिपोर्ट के जवाब में किया गया, जिसमें भागने की रात महत्वपूर्ण सुरक्षा चूक का विवरण दिया गया था। जेल से भागने की घटना 11 अक्तूबर की सुबह हुई, जो दुर्गा पूजा के उत्सव के समय हुई थी, जब पांच विचाराधीन कैदी अपनी कोठरियों से भागने में सफल रहे। कैदियों -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत का विकास इंजन मानते हैं : मार्गेरिटा

अगरतला (हि.स.)। केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी त्रिपुरा समेत पूरे पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत का *विकास इंजन* मानते हैं। वे बुधवार को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करने के लिए त्रिपुरा पहुंचे थे। उन्होंने गुरुवार को त्रिपुरा के खोवाई जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट चांदनी

चंद्रन के साथ समीक्षा बैठक की। केंद्रीय मंत्री मार्गेरिटा आज अपने त्रिपुरा दौरे के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह अनिवार्य नियम है कि सभी केंद्रीय मंत्रियों को पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में युवक की मौत पांच पुलिसकर्मी हिरासत में

अगरतला। दक्षिण त्रिपुरा जिले के सबरूम में चोरी के आरोप के गिरफ्तार किए गए युवक की घर पर मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस हिरासत के दौरान प्रताड़ना का आरोप लगाया। एक अधिकारी ने बताया कि परिजनों की शिकायत के बाद मनुबाजार थाने के पांच पुलिसकर्मियों को प्रताड़ना के आरोप में हिरासत में लिया गया है। सबरूम के एसडीपीओ नित्यानंद सरकार ने बताया कि 13 अक्तूबर को कलादेपा निवासी युवक बादल त्रिपुरा को एक स्थानीय युवक ने गोदाम से रबर शीट चुराने के आरोप में पकड़कर पीटा था। इसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया था। पुलिस ने बादल को गिरफ्तार किया था। वह नशे में था। इसके बाद उसे 14 अक्तूबर को रिहा कर दिया गया। 16 अक्तूबर को युवक की घर मौत हो गई। इसके बाद युवक के परिजनों ने आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई कि बादल को थाने में दो पुलिसकर्मियों और तीन विशेष पुलिस अधिकारियों ने प्रताड़ित किया था। इसलिए उसकी मौत हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

निकिता पोरवाल के सिर सजा फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज

नई दिल्ली। फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल के सिर सज गया है। अब निकिता पोरवाल मिस वर्ल्ड में भारत का रिप्रेजेंट करेंगी। जानकारी के अनुसार, ये इवेंट बुधवार यानी 16 अक्तूबर की रात मुंबई के वर्ली में फेमस स्टूडियो में आयोजित किया गया था। निकिता पोरवाल को ताज फेमिना मिस इंडिया 2023 की विनर रह चुकी नंदिनी गुप्ता ने पहनाया। इसके साथ ही नेहा धूपिया ने उन्हें मिस इंडिया सैश पहनाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, निकिता पोरवाल एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की बहुत बड़ी फैन हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्म में काम करने का सपना देखती हैं। निकिता के पिता अशोक पोरवाल ने बताया कि फेमिना मिस इंडिया 2023 में 30 राज्यों के विनर ने पार्टिसिपेट -शेष पृष्ठ दो पर

भारत न हमला करता है, न ही उसे बर्दाश्त करता है : संघ प्रमुख

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों के कारण भारत उन देशों की भी मदद करता है, जिन्होंने कभी उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास 1999 में कारगिल में पाकिस्तान के दुस्साहस के लिए जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प था, लेकिन उस

समय सरकार ने सेना को हमला करने के लिए सीमा पार न करने का निर्देश दिया था। गुजरात के सूरत शहर में मोहन भागवत जैन समुदाय की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां जैन धर्मगुरु आचार्य महाश्रमण भी मौजूद थे। मोहन भागवत ने आगे कहा, कि हमारे पूर्वजों की तरफ से निर्धारित सिद्धांतों को बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता के कारण, भारत उन देशों को अपना समर्थन देता है, जिन्होंने पहले हमारे खिलाफ युद्ध छेड़ा था, लेकिन वर्तमान में संकट का सामना कर रहे हैं। हम हमले नहीं करते हैं, न ही हम अपने ऊपर किसी हमले को बर्दाश्त करते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि जब कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने हम -शेष पृष्ठ दो पर

पूरे विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध में समाधान मिलेगा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज विश्व अस्थिरता से ग्रस्त है, ऐसे में बुद्ध न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि आवश्यकता भी हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध में समाधान मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के कैबिनेट के फैसले का जश्न मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि शांति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए विश्व को उनकी शिक्षाओं से सीखना चाहिए। भारत बुद्ध में आस्था रखता है। उन्होंने कहा कि करुणा और सद्भावना से ही दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देशवासियों को शरद पूर्णिमा और आदि कवि वाल्मीकि जयंती की भी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष के अभिधम्म दिवस को खास बताया और कहा कि भगवान बुद्ध के अभिधम्म, उनकी वाणी, उनकी शिक्षाएं जिस पाली भाषा में विरासत के तौर पर विश्व को मिली है, इसी महीने भारत सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नायब सैनी बने हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हि.स.)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने लाडवा के विधायक नायब सैनी को 15वीं विधानसभा के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्यपाल ने 11 कैबिनेट और दो राज्यमंत्रियों को भी शपथ दिलाई। पंचकूला के दशहरा मैदान में गुरुवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई कई राज्यों के मुख्यमंत्री और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में राज्यपाल दत्तात्रेय ने सबसे पहले नायब सैनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद प्रोटोकॉल के अनुसार नंबर दो पर अंबाला छावनी के विधायक अनिल विज ने बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ ग्रहण ली। इसके बाद तीसरे नंबर पर इसराना के विधायक कृष्ण लाल पंवार, चौथे नंबर पर बादशाहपुर के विधायक राव नरबीर सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। राज्यपाल ने पांचवें नंबर पर पानीपत ग्रामीण के विधायक महीपाल ढांडा, छठे नंबर पर फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल, सातवें नंबर पर गोहाना के विधायक डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, आठवें

नंबर पर रादौर के विधायक श्याम सिंह राणा, नौवें नंबर पर बरवाला के विधायक रणबीर गंगवा, दसवें नंबर पर नरवाना विधानसभा हलके से विधायक कृष्ण कुमार बेदी को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद 11वें नंबर पर तोशाम से विधायक श्रुति चौधरी, 12वें नंबर पर अटेली से विधायक एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव, 13वें नंबर पर तिगांव हलके से विधायक राजेश नागर को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा 14वें नंबर पर पलवल के विधायक गौरव गौतम को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के पद पर शपथ दिलाई गई। समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुषकर धामी, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, रामदास अठावले, मनोहर लाल, नितिन गडकरी, अश्वनी वैष्णव, कृष्ण पाल, राव इंद्रजीत समेत कई लोकसभा, राज्यसभा के सांसद मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह की खास बात यह रही कि खिलाड़ी, किसान, उद्योगपति, कर्मचारी, मजदूर, ड्रोन दीदी आदि के लिए अलग-अलग ब्लाक बनाए गए थे।

मेरी आस्था न्यायालय में नहीं : उमा भारती

मथुरा (हि.स.)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती गुरुवार को मथुरा पहुंची। यहां उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला न्यायालय में है। लेकिन, मेरी आस्था न्यायालय में नहीं है। मेरी इच्छा है कि मथुरा में भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर बनना चाहिए। गुरुवार को तीर्थ नगरी वृंदावन पहुंची फायर ब्रांड नेता साध्वी उमा भारती पूरी तरह अध्यात्म के रंग में रंगी नजर आई। सर्वप्रथम उन्होंने शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में जग प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में पूजन अर्चन किया। इसके बाद वह अपनी आराध्य प्राचीन राधा बाग स्थित कात्यायनी मंदिर पहुंची। यहां उन्होंने मां भगवती का आराधना कर देश में सुख शांति की कमाना की। इसके बाद वह अपने काफिले के साथ यमुना के केशीघाट पर पहुंची।

सामूहिक हत्या मामले में बांग्लादेश कोर्ट ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट किया जारी

ढाका। बांग्लादेश की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई जुलाई और अगस्त में छात्र प्रदर्शनों के दौरान किए गए सामूहिक हत्याओं के संबंध में की गई है। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने कहा कि अदालत ने शेख हसीना की गिरफ्तारी का आदेश दिया है और उन्हें 18 नवंबर को अदालत में पेश करने के लिए कहा है। अभियोजन पक्ष ने हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों की सामूहिक हत्याओं में शामिल 50 अन्य लोगों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट मांगे हैं। अदालत में अब तक शेख हसीना और उनकी पार्टी के खिलाफ 60 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें अपहरण, हत्या और सामूहिक हत्याओं के मामले शामिल हैं। शेख हसीना के 15 साल के शासन में मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक विरोधियों की भारी गिरफ्तारी और गैर-न्यायिक हत्याएं हुई हैं। इस्लाम ने कहा कि शेख हसीना उन लोगों के नेतृत्व में थीं जिन्होंने जुलाई से अगस्त तक नरसंहार, हत्याएं और मानवता के खिलाफ अपराध किए। इस बीच, हसीना ने ढाका से भागने के बाद से सार्वजनिक रूप से कोई उपस्थिति नहीं दिखाई है और भारत में शरण ली है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के सिपाझार के दुमुनी पुलिस चौकी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान रकीबुल हुसैन (25) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान अली हुसैन (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब दो मोटरसाइकिल सवारों को ट्रक (एएस- 12बीसी- 3051) ने टक्कर मार दी। कोकराझाड़ जिले के बागडोगरा के रहने वाले दोनों युवक बाइक (एएस- 01ईके- 5574) से गुवाहाटी से मंगलदै की ओर आ रहे थे। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के सिलसिले में थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

जीवाश्म ईंधन के आयात को तत्काल कम करने की जरूरत : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के आयात पर 22 लाख करोड़ रुपए खर्च होता है इसलिए जीवाश्म ईंधन के आयात को तत्काल कम करने की जरूरत है। मेथनॉल, इथेनॉल और बायो-सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन के उपयोग से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हो सकती है। उन्होंने बायोमास के अधिक कुशल स्त्रोतों और बायोमास के लिए लागत प्रभावी परिवहन तरीकों पर अतिरिक्त शोध का भी आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय मेथनॉल सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर कहा कि भारत जैव ईंधन विशेषकर मेथनॉल के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। सस्ते और प्रदूषण मुक्त मेथनॉल के उपयोग में सफलता मिल रही है। कम गुणवत्ता वाला कोयला जिन राज्यों में उपलब्ध है, उनका उपयोग मेथनॉल बनाने के लिए भी किया जा रहा है। गडकरी ने मेथनॉल पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और एक्सपो आयोजित करने के लिए नीति आयोग की सराहना की। गडकरी ने कहा कि फसल अवशेषों के उपयोग की पहल देशभर में किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर रही है। अपशिष्ट से ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से चावल के भूसे से बायोसीएनजी का उत्पादन पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में पहले से हो रहा है। चावल के भूसे का बायोसीएनजी में रूपांतरण अनुपात लगभग 5:1 टन है। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हम पुआल का पांचवां हिस्सा संसाधित कर सकते हैं लेकिन बेहतर योजना के साथ हम वैकल्पिक ईंधन के लिए कच्चे माल के रूप में पुआल का उपयोग करके पुआल जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन के आयात के महत्वपूर्ण मुद्दों से निबटने के लिए भारत को एक ऐसी नीति के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है जो लागत प्रभावी, स्थानीय, आयात-प्रतिस्थापन उन्मुख और रोजगार पैदा करने वाली हो। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष सैमिनबेरी, नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद उपस्थित थे। गडकरी ने एक्सपो का भी दौरा किया जहां मेथनॉल आधारित उत्पादों और मशीनरी का प्रदर्शन किया।

पृष्ठ एक का शेष

असम में धारा...

1966 से पहले या 1966-71 की धारा से संबंधित होने का बचाव किया जा सके। उधर भारतीय जनता पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला बताया है। पूर्व केंद्रीय विधि मंत्री एवं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6-ए की संवैधानिक वैधता पर एक बहुत ही ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। यह प्रावधान असम समझौते के मद्देनजर भारतीय नागरिकता अधिनियम में जोड़ा गया था। इस प्रावधान का मूल यह है कि जो लोग 1966 तक असम में आए हैं, उन्हें भारत का नागरिक माना जाएगा और जो लोग 01 जनवरी 1966 और 25 मार्च 1971 के बीच आए हैं, वे सभी आवश्यक नियमों के अनुपालन के अधीन होंगे। उनको निश्चित रूप से अवैध अप्रवासी के रूप में माना जाएगा। यह प्रावधान तब लाया गया था जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 12 दिसंबर को सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। सीजेआई ने कहा था कि असम समझौता बढ़ते अप्रवासन के मुद्दे का राजनीतिक समाधान था वहीं 6-ए विधायी समाधान था। नागरिकता अधिनियम की धारा 6-ए के मुताबिक जो बांग्लादेशी अप्रवासी 01 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए, वो भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं लेकिन 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के पात्र नहीं हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के जरिए नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए को संवैधानिक बताए जाने के फैसले को जमीअत उलमा-ए-हिंद ने अपने लंबे संवैधानिक संघर्ष की बड़ी सफलता करार दिया है। जमीअत ने कहा है कि इससे असम के लाखों लोगों को राहत मिलेगी, जिनके ऊपर दशकों से नागरिकता की तलवार लटकी हुई थी। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने 4:1 के बहुमत से असम के अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को सही करार दिया है। 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से असम आए लोगों की नागरिकता बनी रहेगी। उसके बाद आए लोग अवैध होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि असम की कम आबादी देखते हुए कट ऑफ डेट बनाना सही था। बेंच ने कहा कि असम समझौता अवैध शरणार्थियों की समस्या का एक राजनीतिक समाधान था और अनुच्छेद 6ए एक कानूनी समाधान है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी, असम के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल, महासचिव हाफिज बशीर अहमद कासमी, सचिव मौलाना फजलुल करीम, मौलाना महबूब हसन और मौलाना अब्दुल कादिर समेत कई प्रमुख पदाधिकारियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद पिछले 70 वर्षों से असम के गरीब और पीड़ित लोगों के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष कर रही है। यह फैसला जमीअत उलमा-ए-हिंद लोगों के संघर्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा और उन लोगों को राहत मिलेगी जो नागरिकता की उम्मीद खो चुके थे। मौलाना मदनी ने यह संकल्प दोहराया कि जमीअत उलमा-ए-हिंद आगे भी असम के उत्पीड़ित लोगों के लिए संघर्ष जारी रखेगी। मौलाना अजमल ने कहा कि हम उन सभी संगठनों और व्यक्तियों को भी धन्यवाद देते हैं, जो किसी भी प्रकार से इस लड़ाई में शामिल रहे हैं और असम के मुसलमानों की नागरिकता की रक्षा के प्रयास किए हैं।

असम समझौते की ...

यह भी कहा गया था कि 25 मार्च 1971 या उसके बाद असम आने वाले सभी विदेशियों का पता लगाया जाएगा और उन्हें मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा तथा उन्हें निर्वासित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसमें कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय का फैसला आसू, अखिल असम गण संग्राम परिषद और उसके सहयोगी समूहों तथा राज्य के हित में काम करने वाले अन्य सभी संगठनों की जीत है। असम समझौते पर आसू के साथ-साथ अखिल असम गण संग्राम परिषद भी हस्ताक्षरकर्ता थी। इस ऐतिहासिक समझौते पर तीसरा हस्ताक्षरकर्ता केंद्र सरकार थी। संवैधानिक पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि असम में प्रवेश और नागरिकता प्रदान करने के लिए 25 मार्च, 1971 की कट-ऑफ तारीख सही है। असम समझौते के अंतर्गत आने वाले लोगों की नागरिकता से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान के रूप में धारा 6ए को 1985 में नागरिकता अधिनियम में शामिल किया गया था।

राज्य भर में अवैध ...

अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि आसू के साथ-साथ केंद्र और असम की भाजपा सरकारें इस बात से खुश नहीं हैं कि केवल 19 लाख लोगों को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से बाहर रखा गया है। शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमने (एनआरसी आवेदकों के दस्तावेजों के) पुनः सत्यापन की मांग करते हुए अदालत का रुख किया, लेकिन भाजपा सरकारों ने ऐसा नहीं किया। हम मांग करते हैं कि वे पुनः सत्यापन की मांग करते हुए अदालत में हलफनामा दायर करें। उन्हें 25 मार्च, 1971 के बाद आए अवैध अप्रवासियों का पता लगाने में भी तेजी लानी चाहिए और उन्हें बाहर निकालना चाहिए। राज्य कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि न्यायालय ने ऐतिहासिक असम समझौते में अपना विश्वास जताया है। एआईयूडीएफ विधायक रफीकुल इस्लाम ने कहा कि न्यायालय ने लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को सुलझा दिया है। इस्लाम ने कहा कि इस फैसले के बाद हम चाहते हैं कि सरकार 1971 के बाद आए अप्रवासियों का असम में पुनर्वास न करे। अगर भाजपा उनसे इतना प्यार करती है, तो वह उन्हें गुजरात या अन्य जगहों पर पुनर्वासित कर सकती है। कार्यकर्ता से रायजोर दल के प्रमुख बने अखिल गोगोई ने राज्य के लोगों से अदालत के फैसले को स्वीकार करने का आग्रह किया। गोगोई ने कहा कि असम के लोगों के पास इस फैसले को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अब उन्हें एकजुट होकर 24 मार्च, 1971 के बाद असम में आए सभी अप्रवासियों को वापस भेजने का फैसला करना होगा, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। एजेपी प्रमुख लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि चूंकि अदालत ने अवैध प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने के लिए 1971 को आधार वर्ष के रूप में मान्य किया है, इसलिए केंद्र को असम में सीएए को निरस्त करने और असम समझौते के खंड 6 को लागू करने के लिए कदम उठाने चाहिए। समझौते के खंड 6 में कहा गया है कि असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक, भाषाई पहचान और विरासत की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए, यथा उपयुक्त, संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा उपाय प्रदान किए जाएंगे। एनआरसी अद्यतनीकरण के लिए मुख्य याचिकाकर्ताओं में से एक गैर सरकारी संगठन एपीडब्ल्यू ने अदालत के फैसले का स्वागत किया, लेकिन साथ ही एनआरसी दस्तावेजों के 100 प्रतिशत पुनः सत्यापन की मांग की। एपीडब्ल्यू प्रमुख अभिजीत शर्मा ने कहा कि केंद्र और असम सरकार को पुनः सत्यापन की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर करना चाहिए।

असम में रेल ...

मौके पर पहुंची। दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत चिकित्सा ट्रेन बचाव और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर लमडिंग से घटनास्थल पहुंच चुकी है। इस हादसे को लेकर सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने एक पोस्ट करके जानकारी दी है। सीएम हिमंत ने कहा कि ट्रेन नंबर-12520 (अगरतला-एलटीटी एक्सप्रेस) के 8 डिब्बे गुरुवार को 3 बजकर 55 मिनट पर लमडिंग के पास डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गए। कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। हम रेलवे अधिकारियों से समन्वय कर रहे हैं। राहत ट्रेन जल्द ही घटनास्थल पर पहुंच जाएगी। हेल्पलाइन नंबर 03674 263120, 03674 263126 हैं।

त्रिपुरा में युवक ...

एसडीपीओ नित्यानंद सरकार ने बताया कि युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस स्टेशन के पास प्रदर्शन किया। साथ ही अगरतला-सबरूम राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने युवक को प्रताड़ित करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी। एसडीपीओ ने बताया कि पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उनको हिरासत में ले लिया गया है। युवक के शव का मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमार्टम किया।

बिहार के सारण ...

जिसका नेतृत्व एएसपी संजय झा कर रहे है। इसमें डीएसपी समेत 7 सदस्य हैं। दूसरी टीम उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की है, जिसका नेतृत्व संयुक्त आयुक्त कृष्ण कुमार कर रहे हैं। इसमें उपायुक्त सुरेंद्र प्रसाद, संजय कुमार, दीनबंधु और आदित्य कुमार समेत पांच सदस्य शामिल हैं। दोनों टीमें अपने-अपने स्तर से पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई हैं। मौके पर पहुंच कर एफएसएल की टीम ने तमाम साक्ष्यों को एकत्र कर लिया है। इसकी जांच के बाद स्पष्ट हो जाएगा कि किस वजह से मौत हुई है। दोनों टीमों के नेतृत्व में आसपास के इलाकों में सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीवान और सारण जिले में कल जहरीली शराब से हुई मौतों की इस घटना की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के पश्चात् मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को निर्देश दिया कि वे घटनास्थल पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेकर सभी बिन्दुओं पर सघन जांच करें। मुख्यमंत्री ने एडीजी (प्रोहिबिशन) की पूरी टीम को घटनास्थल पर जाकर उसकी सघन जांच कर इस कांड में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि पूरे घटनाक्रम की अपने स्तर से लगातार मॉनीटरिंग करते रहें और इस घटना के लिए जो भी दोषी हों, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से अपील की कि शराब पीना बुरी बात है, यह लोगों को समझना चाहिए। शराब पीने से न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होता है बल्कि परिवार और समाज में अशांति का माहौल भी उत्पन्न होता है। राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू है। इसका सभी लोग पालन कर रहे हैं। कुछ असामाजिक तत्व समाज में अशांति पैदा करना चाहते हैं, उनसे लोग सतर्क रहें।

मोरीगांव जेल ब्रेक...

ने लोहे की सलाखों को तोड़कर कंबल और चादरों का इस्तेमाल करते हुए 20 फुट ऊंची दीवार फांदी और उत्सव के मौके का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। इस दुस्साहसिक तरीके से भागने की घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद खामियों को उजागर कर दिया है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब भागने वालों में से एक अब्दुल रशीद 14 अक्तूबर को लाहौरीघाट के एक तालाब में मृत पाया गया। यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि उसकी मौत आकस्मिक थी या इसमें कोई गड़बड़ी थी। इस बीच, भागने वाले अन्य चार लोग-सैफुद्दीन, जियारुल इस्लाम, नूर इस्लाम और मफीदुल- अभी भी फरार हैं, जिसके चलते पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है। इस घटना के बाद जेल में सुरक्षा संबंधी चूक को सुधारने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की लहर चल पड़ी है। 11 अक्तूबर को मोरीगांव जिला जेल के जेलर प्रशांत सैकिया को निलंबित कर दिया गया, जबकि सहायक जेलर नवदीप लेखारू को नागांव विशेष जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अलावा, जेल अधीक्षक मानस दास को हमरेन जेल में फिर से नियुक्त किया गया है। मोरीगांव के जिला आयुक्त ने जेल से भागने की घटना की मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी है, जांच का नेतृत्व करने के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पल्लवी कचारी को नियुक्त किया है। जल्द ही उनके निष्कर्ष आने की उम्मीद है, जो ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए भविष्य के सुरक्षा सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण होंगे।

प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर को ...

करना है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर राज्यों को हाशिये पर माना जाता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिपुरा समेत पूर्वोत्तर को भारत के इस महान राष्ट्र के केंद्र में ला दिया है। यह दौरा और समीक्षा बैठक यह आकलन करने के लिए है कि ग्रामीण क्षेत्रों को किस तरह से लाभ मिल रहा है। राज्य और केंद्र सरकार समाज, देश और पूरे पूर्वोत्तर की बेहतरी के लिए किस तरह से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर वह आज त्रिपुरा आए हैं और खोवाई जिले का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी और शिक्षा समेत केंद्र सरकार के कई कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपूंगा और मोदी सरकार इसी तरह काम करती है। पहले केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर का दौरा बहुत कम करते थे, लेकिन अब वे बहुत बार दौरा कर रहे हैं। उन्हें हर क्षेत्र का दौरा करना, काम करना और उस पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर इस क्षेत्र का दौरा करते हैं, जो पूर्वोत्तर के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दर्शाता है। वह पूर्वोत्तर को आधुनिक भारत के विकास इंजन मानते हैं और इसे *अष्टलक्ष्मी* कहते हैं। कल मैंने मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी मुलाकात की और सब कुछ ठीक चल रहा है।

भारत न हमला ...

पर हमला किया, तो भारत के पास अपने पड़ोसी के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प था। हालांकि, हमारी सेना को सीमा पार न करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। सेना को केवल उन लोगों को निशाना बनाने का निर्देश दिया गया था जो हमारी सीमा के भीतर थे। भारत की तरफ से पाकिस्तान के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने सुनिश्चित किया कि केवल उपद्रवी लोगों को ही निशाना बनाया जाए। संघ प्रमुख ने कहा कि जब हमने उनके घर में घुसकर हमला किया, तो हमने पूरे पाकिस्तान को निशाना नहीं बनाया। हमने केवल उन लोगों पर हमला किया जो हमारे लिए परेशानी पैदा कर रहे थे। बता दें कि भारत ने सितंबर 2016 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नियंत्रण रेखा के पार आतंकी लॉन्च पैड पर सर्जिकल स्ट्राइक की। फरवरी 2019 में, भारतीय वायु सेना ने पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई हमला किया। मोहन भागवत ने कहा कि आज, कई लोग मौजूदा स्थिति के कारण भविष्य को लेकर चिंतित और चिंतित महसूस कर रहे हैं। लेकिन डरने की कोई जरूरत नहीं है। हम सभी इन मुद्दों को ठीक करेंगे और दुनिया हमसे प्रेरित होकर खुद को ठीक कर लेगी।

पूरे विश्व को युद्ध ...

ने उस पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाली भाषा का यह सम्मान असल में भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि अभिधम्म धम्म के निहित है, धम्म के मूलभाव को समझने के लिए पाली भाषा का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम भर नहीं होती है। भाषा सभ्यता और संस्कृति की आत्मा होती है। इसलिए, पाली भाषा को जीवित रखना, भगवान बुद्ध की वाणी को उसके मूल मूल्यों के साथ जीवित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भाषाओं के संरक्षण का माध्यम बताते हुए कहा कि इसमें मातृभाषा में शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। आजादी से पहले आक्रमणकारी भारत की पहचान को मिटाने में लगे थे और आजादी के बाद लोग गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गए। भारत पर ऐसे इको-सिस्टम का कब्जा हो गया जिसने हमें विपरीत दिशा में धकेलने का काम किया...पाली भाषा को उसका सही स्थान मिलने में सात दशक लग गए। देश अब आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वस, आत्म-गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है। इसके कारण देश बड़े-बड़े फैसले ले रहा है। इसलिए आज पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है और साथ ही मराठी भाषा को भी वही सम्मान प्राप्त है। इसी तरह हमने बांग्ला, असमिया और प्राकृत भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा किया गया। इसमें 14 देशों के राजदूत, भिक्षु, विद्वान और युवा विशेषज्ञों सहित लगभग 1,000 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान दो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, एक प्रदर्शनी अशोक की ब्राह्मी लिपि से दक्षिण-पूर्व एशिया में पाली के विकास पर थी, जिसमें धम्मपद और धम्मचक्कपवत्तन सुत्त जैसे महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथों को प्रदर्शित किया गया। दूसरी प्रदर्शनी *बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं* पर केंद्रित रही। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3 अक्तूबर को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दी थी।

निकिता पोरवाल के ...

किया। निकिता ने कई सारे नेशनल और इंटरनेशनल स्टेजेज पर ड्रामा प्ले भी किया है। निकिता होस्टिंग के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, फिल्म का टाइटिल *चंबल पार* है। बता दें निकिता पोरवाल मध्यप्रदेश के उज्जैन की निवासी हैं और वह एक प्रसिद्ध पेट्रो-केमिकल व्यवसायी अशोक पोरवाल की बेटी हैं। निकिता ने अपनी शिक्षा बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स में पूरी की है, जहां उनका विशेष ध्यान ड्रामा पर रहा। उन्हें पढ़ना, लिखना, पेंटिंग करना और फिल्में देखना पसंद है। उन्होंने महज 18 साल की उम्र में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस उम्र में ही वह एक टीवी शो की होस्ट बनीं। साल 2022 की श्री रामलीला में उन्होंने मां सीता का किरदार निभाया था। वो 60 प्ले में परफॉर्म कर चुकी हैं। इसके अलावा निकिता ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों के लिए ड्रामा भी लिखा है कि जिसमें 250 पन्नों की *कृष्ण लीला* शामिल है।

चिराग पासवान के साथ ...

बढ़ाने और नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को समर्थन देने पर जोर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व में गठित लगातार तीसरी बार राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भी हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए हैं।

त्रिपुरा में तीन ...

के इलाके में बीएसएफ के जवानों ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को उस समय पकड़ा, जब वे सीमा बाड़ को पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे। पकड़े गए दोनों बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश के ढाका के निवासी बताए गए हैं। पकड़े गए बांग्लादेशियों द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर सिपाहीजाला जिले के गुरंगोला गांव में बीएसएफ और त्रिपुरा पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर घुसपैठ में मदद करने वाले एक दलाल को गिरफ्तार किया। वहीं, एक अन्य अभियान में आज तड़के पश्चिम जिले के बॉर्डर आउटपोस्ट मोहनपुर के इलाके में एक अन्य बांग्लादेशी नागरिक को उस समय पकड़ा गया, जब वह सीमा बाड़ को पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। पकड़ा गया बांग्लादेशी बांग्लादेश के चपैनवाबगंज जिले का निवासी है। इनके अलावा, बीएसएफ द्वारा जीआरपी अगरतला और त्रिपुरा पुलिस के साथ दो अलग-अलग खुफिया जानकारी पर आधारित संयुक्त अभियानों में अवैध घुसपैठियों की मदद करने के आरोपित तीन भारतीय दलालों को गिरफ्तार किया गया।

कातिबिहू के दीयों से रोशन हुआ राज्य

गुवाहाटी (हिंस)। कार्तिक मास की शुरुआत पर आज असम समेत पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में काति बिहू मनाया जा रहा है। अश्विन माह की पूर्णिमा के दिन बुधवार को लक्ष्मी पूजा मनाए जाने के बाद गुरुवार को काति बिहू मनाया जा रहा है। काति बिहू धन-धान्य की देवी माता लक्ष्मी की एक प्रकार की पूजा है। खेतों में धान का फसल पक जाने पर आज के दिन धान के खेतों में जाकर किसानों द्वारा दीया जलाया जाता है। काति बिहू को कंगाली बिहू भी कहा जाता है। क्योंकि, इस समय किसानों के घर में अनाज नहीं होता है। वहीं, खेतों में धान पकने लगा होता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। देश के कई हिस्सों में इस पर्व को नवान्न के नाम से भी मनाया जाता है। हालांकि, काति बिहू और नवान्न में भिन्नता बस इतनी है कि काति बिहू में शाम को माता लक्ष्मी की दीप जलाकर पूजा की जाती है, जबकि नवान्न में दिन के समय नई धान के पौधे की पूजा कर नई धान से प्रसाद तैयार कर अग्निदेव को आहूति दी जाती है। वहीं, काति बिहू में आज के दिन किसान दंपति सूर्यास्त के समय अपने खेतों में जाकर धान के नए पौधों की पूजा करते हैं। धान के खेतों में दीप जलाया जाता है। वहीं, महिलाएं

आज से पूरे कार्तिक महीने भर तुलसी के पौधे के सामने दीप जलाती हैं। हालांकि, काति बिहू में इनके अलावा और कोई नियम नहीं किया जाता है। आज राज्य के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न स्तर पर काति बिहू मनाए जाने की खबरें विभिन्न माध्यमों से सार्वजनिक हो रही हैं। राज्यभर में अलग-अलग स्थान पर लोग अपने-अपने तरीकों से काति बिहू मना रहे हैं। राजनीतिक दलों से जुड़े हुए लोग सोशल मीडिया में काति बिहू आयोजन से संबंधित अनेक पोस्ट एवं तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इसी के बीच असम की जनता अपने पारंपरिक तरीके से अपने-अपने घरों में काति बिहू मना रही है। पितृपक्ष के बाद नवरात्रि और नवरात्रि के बाद लक्ष्मी पूजा और काति बिहू के साथ ही इन दिनों पूरे राज्य का माहौल धर्म एवं उत्सवमय हो गया है।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मनाया काति बिहू

डिब्रूगढ़((हिंस)। दिहिंगसांग बहुउद्देशीय सहकारी समिति द्वारा आयोजित काती बिहू महोत्सव का आयोजन टिंगखांग के नखाट लेंगरी मैदान में किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन में स्थानीय किसानों और नागरिकों ने भी बड़े उत्साह से सहयोग किया। अपने संबोधन में सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि काती बिहू की परंपरा और इसकी पवित्रता, आकाशदीप की रौशनी के माध्यम से असम के समाज जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करती है। तुलसी के पेड़ के नीचे जलाए गए दीयों से पवित्रता आती है। हमारी प्राचीन परंपराएं हमें हर जगह प्रकाश और समृद्धि का संदेश देती हैं। मैं कामना करता हूं कि हमारे खेत कीटों से सुरक्षित रहें, और किसान समृद्ध हों। इस कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री विमल बोरा, विधायक विनोद हजारिका, प्रशांत फुकन, तरंग गोगोई, तेरेस ग्वाला समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह आयोजन और भी भव्य हो गया।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुवाहाटी से नई दिल्ली हुए रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ असम और मेघालय की दो दिवसीय यात्रा संपन्न कर गुरुवार को नई दिल्ली के लिए गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गये। हवाई अड्डे पर असम सरकार की ओर से राज्य के वन, पर्यावरण आदि मामलों के मंत्री चंद्र मोहन पटवारी और मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा उपस्थित थे। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को गुवाहाटी पहुंचने के बाद पड़ोसी राज्य मेघालय के लिए रवाना हुए थे। मेघालय में आयोजित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद उप राष्ट्रपति आज मेघालय से गुवाहाटी पहुंचे। हवाई अड्डे पर उप राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए गुवाहाटी के मेयर मृगेन शरनिया, असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला असमिया लोगों के लिए ऐतिहासिक : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। उच्चतम् न्यायालय द्वारा नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता को बरकरार रखने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने इसे असमिया लोगों के लिए ऐतिहासिक फैसला बताया है। आज मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सन् 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री तथा कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने असम समझौता किया था। कांग्रेस शुरू से ही असम समझते के हर एक धारा को लागू करने के पक्ष में रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि 25 मार्च, 1971 तक दूसरे देशों से असम में आनेवाले लोगों को नागरिकता देने का निर्णय उस समय सामूहिक रूप से लिया गया था। उन्होंने कहा कि असम समझौते को लेकर स्थानीय सभी राजनीतिक पार्टियों ने उन दिनों सहमति व्यक्ति की थी। भाजपा के तत्कालीन सांसद तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस समझौते का स्वागत किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भाजपा में शामिल होने के बाद से असम समझौते को लेकर विभिन्न प्रकार की बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा असम समझौता को लेकर मतभेद तथा भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा पर कई अन्य आरोप भी लगाए।

ट्रेन के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बचाई हाथियों की जान

गुवाहाटी (हिंस)। जंगली हाथियों की सुरक्षा को लेकर पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) सभी तरह के आवश्यक कदम उठाते आ रहा है। इसी कड़ी में गत 16 अक्तूबर की एक घटना में ट्रेन संख्या 15959 कामरूप एक्सप्रेस के लोको पायलट जेडी दास और सहायक लोको पायलट उमेश कुमार ने हावाईपुर और लामसाखांग स्टेशन के बीच हाथियों के एक झुंड को रेल पटरी पार करते हुए देखा। ट्रेन गुवाहाटी से लमडिंग की ओर जा रही थी। यह घटना रात 8:37 बजे की है। लोको पायलट और सहायक लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाए और लगभग 60 जंगली हाथियों को ट्रेन की टक्कर से बचाया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि ट्रेन के पायलट को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) द्वारा सतर्क किया गया था, जो इस सेक्शन में कार्यान्वित है। पूसीरे ने अपने क्षेत्राधिकार के

अधीन अन्य सभी हाथी गलियारों में भी धीरे-धीरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) स्थापित करने की योजना बनाई है। यह प्रणाली पहले भी रेलवे ट्रैक पर पहुंचने वाले कई हाथियों की जान बचाने में काफी सफल रही है। उन्होंने बताया कि इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) हाथियों की रक्षा और ट्रेन परिचालन की गतिशीलता में सुधार के लिए एक पर्यावरण-स्थायी समाधान है। यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है और संबंधित स्थानों पर वन्य जीवों की पहचान के लिए मौजूदा ऑप्टिकल फाइबर का इस्तेमाल सेंसर के तौर पर किया जाता है। इसके बाद नियंत्रण कार्यालयों, स्टेशन मास्टर, गेटमैन और लोको पायलटों को सतर्क किया जाता है। यह ट्रैक पर हाथियों की वास्तविक समय पर उपस्थिति की सूचना देने के लिए डायलिसिस स्कैटरिंग फेनोमेनॉन के सिद्धांत पर कार्य करने वाले फाइबर ऑप्टिक आधारित ध्वनिक प्रणाली का उपयोग करता है। एआई आधारित सॉफ्टवेयर मुख्य इकाई के दोनों ओर 40 किमी (यानी 80 किमी के कुल क्षेत्र) तक असामान्य गतिविधियों की निगरानी कर सकता है। इसके अलावा आईडीएस रेल फ्रैक्चर, रेल पटरी पर अनधिकृत प्रवेश का पता लगाने और रेल पटरियों के पास अनधिकृत खुदाई, पटरियों के पास भूस्खलन आदि से आपदा शमन के बारे में भी सतर्क करने में सहायक होगा। आईडीएस के अलावा, पूसीरे यह भी सुनिश्चित करता है कि लंबी झाड़ियों और जंगल को काटकर ट्रेनों के चालकों को परिचालन के समय बेहतर दृश्यता मिले। पूसीरे रेल पटरियों के पास पहुंचने वाले जंगली जानवरों, विशेषकर हाथियों की आवाजाही को रोकने और उनका पता लगाने के लिए विभिन्न पहल कर रही है। वन विभाग के साथ कई बैठक की गई है और रेलवे एवं वन विभाग द्वारा एक संयुक्त कार्रवाई बल का गठन किया गया था। पूसीरे ने कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान कुल 414 हाथियों और इस 16 अक्तूबर तक 383 हाथियों को बचाया है।

रूपसी हवाईअड्डा पर विमान सेवा शुरू

कोकराझाड़ ((हिंस)। कोकराझाड़ के रूपसी हवाई अड्डा पर एक वर्ष के अंतराल के बाद आज से विमान सेवा फिर से शुरू हुई। आज सुबह से ही एयरपोर्ट पर चहल-पहल का माहौल रहा। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़कर सुबह आठ बजकर 20 मिनट पर विमान रूपसी हवाई अड्डे पर उतरा। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश शासन काल में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्थापित रूपसी हवाई अड्डा 1984 से बंद था। फ्लाईबिग रूपसी से गुवाहाटी और कोलकाता के लिए उड़ानें सेवा प्रदान करता था, लेकिन पिछले एक साल से उड़ानें पूरी तरह से निलंबित थीं। विमान सेवा आज से सप्ताह में तीन दिन संचालित होगी। असम सरकार के मंत्री यूजी ब्रह्म सुबह हवाई अड्डे पर पहुंचे और उड़ान सेवा का निरीक्षण किया।

सोनारी हिंदी हाईस्कूल की तीन छात्रा लापता

चराइदेव ((हिंस)। सोनारी हिंदी हाई स्कूल की तीन छात्राओं के लापता होने को लेकर छात्राओं के परिजन परेशान हो गए हैं। कक्षा 10 में अध्ययनरत तीनों छात्राएं बुधवार को स्कूल जाने के बाद से लापता हैं। आखिरकार छात्राओं के परिजनों ने तीनों छात्राओं का पता लगाने में विफल रहने के बाद सोनारी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी दिसपुर और सातगांव थाना क्षेत्र में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक टीम ने अभियान चलाकर तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने गुरुवार को बताया कि एसटीएफ के इंस्पेक्टर कपिल पाठक ने नेतृत्व में दिसपुर और सातगांव थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान 153.71 ग्राम हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों के पास से हेरोइन के अलावा एक कार (एएस- 01 एफएस- 4430), एक स्कूटी (एएस-01 एफडब्लू- 6904) तीन मोबाइल फोन, नकद 25 हजार 780 रुपए, दो मोबाइल फोन और 94 खाली प्लास्टिक के छोटे-छोटे डिब्बे बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भार्गव चौधरी (24), संजीव राय उर्फ मुन्ना (36) और निताई सरकार उर्फ लाला (23) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

मरंगी में करंट लगने से जंगली हाथी की मौत

गोलाघाट ((हिंस)। काति बिहू के दिन आज राज्य में एक दुखद घटना हुई। गोलाघाट जिले के मरंगी के परजाबस्ती गांव में करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हाथियों का एक बड़ा झुंड रात में क्षेत्र में प्रवेश कर उपद्रव मचा रहा था। इनमें से एक हाथी पास के बांस के पेड़ को तोड़कर खाने लगा। उसी बांस के जरिए हाथी बिजली की तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पहुंचे वन विभाग के कर्मियों ने मृत हाथी के पोस्टमार्टम की व्यवस्था की। स्थानीय लोग सुबह से ही अगरबत्ती आदि जलाकर मृत हाथी की पूजा कर रहे हैं। हाथियों का झुंड अभी भी पास के एक चाय बागान में रुका हुआ है।

चोरी के मामले में एक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान राकेश बोडो उर्फ ऑटो (21, दक्षिण गांव) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से चोरी की एक सैमसंग गैलेक्सी टेबलेट, ए1 लाइट टेबलेट, एक एचपी लैपटॉप, एक रियलमी मोबाइल हैंडसेट के अलावा स्कूटी (एएस-01डीभी-6954) जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज

कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

एसएसबी ने अवैध लकड़ियों के साथ एक को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी की सीमा चौकी नालापाड़ा द्वारा बुधवार को भारत-भूटान सीमा पर एक अभियान चलाकर अवैध लकड़ियां जब्त की गई, साथ ही इस अभियान में कुमुद दैमारी नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वाहन (टाटा पिक अप) में यह अवैध लकड़ियां लदी हुई थी। वाहिनीं द्वारा जब्द की गई 28.47 सीएफटी लकड़ियों के साथ गिरफ्तार किए गए सुखलई नंबर-2 के रहने वाले कुमुद दैमारी को वन विभाग नोनाइखुटी, उदालगुड़ी को सुपुर्द कर दिया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के दिवाली मेले में महिला नेतृत्व का सम्मान

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा गुवाहाटी के सौजन्य से छत्रीबाड़ी स्थिति परशुराम सेवा सदन में एक दिवसीय दिवाली मेले में नगर की विभिन्न महिला संस्थाओं के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। इससे पहले इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका कंचन पोद्दार ने फीता खोलकर एवं भगवान गणेश की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत संबोधन देते हुए कहां की गत 35 वर्षों से सम्मेलन की महिला शाखा समाज सेवा, जन सेवा एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्यक्रम करती आ रही है। इसी कड़ी में आज दिवाली मेले में महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के साथ-साथ नगर की 15 महिला सामाजिक संगठन के अध्यक्षों को फूलाम गमछा पहनाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कंचन पोद्दार ने कहा कि दीवाली त्योहार हम सब भारतीयों के दिल में काफी करीब है। आज के मेले में दूर-दूर से महिलाओं ने आकर इस मेले में भाग लिया है यह महिला सशक्तिकरण का ही एक उदाहरण है। कार्यक्रम संयोजिका सुनीता चांडक, पुष्पा सोनी, राजश्री कुचेरिया और मंजू बागड़ी ने संयुक्त रूप से कहा कि इस मेले में 35 से

भी अधिक स्टॉल महिलाओं ने लगाए हैं। जिनमें विभिन्न तरह के उपहार सामग्री के अलावा वस्त्र, ज्वेलरी आदि उपलब्ध है। आज के कार्यक्रम में मारवाड़ी महिला एकता मंच की अध्यक्ष सरोज मित्तल, जागृति लेडिस क्लब की अध्यक्ष ललित अग्रवाल, विप्र फाउंडेशन की प्रांतीय अध्यक्ष मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय सामाजिक सेविका विकास समिति की अध्यक्ष सारिका अग्रवाल, ग्लोबल यूनिवर्सल कीमती जैन, मायुमं समृद्धि शाखा की अध्यक्ष अंजू शर्मा, कामाख्या शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया, विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ गुवाहाटी की अध्यक्ष अनुसूया शर्मा, पारीक महिला समिति की अध्यक्ष कौशल्या व्यास, माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्ष वर्षा सोमानी, चेतन लेडिस क्लब की अध्यक्ष आशा अग्रवाल, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष अमराव बोथरा, गौड महिला समिति की सलाहकार कमल लाट को फूलाम गमछा पहनाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मेले से प्राप्त धनराशि से विभिन्न सामाजिक व जन कल्याण के कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने गुवाहाटी में नव निर्मित छात्रावास के कार्यों के प्रगति के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में शाखा सलाहकार सरल काबरा, बंदना सोमानी, शारदा केडिया, इंदिरा जिंदल ने अपना मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में प्रत्येक घंटे में एक हजार से अधिक रुपयों के मूल्य के सामान खरीदने पर लकी ड्रा का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, सह मंत्री पंकज पोद्दार व मनोज कला, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, सहायक मंत्री माखन अग्रवाल, सम्मेलन की कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, शाखा उपाध्यक्ष संगीता बड़जात्या व शांती कुंडलीया, कोषाध्यक्ष बिमला कोचर, सह मंत्री शोभना लड्ढा और निकिता सांखला, जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा के अलावा बबीता सरावगी, कविता जोगड, गुलाब दुग्गड़, रश्मि जैन, प्रेमलता सिंघानिया, सुमन शर्मा, संतोष धानुका, ज्योति शर्मा के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। दिवाली मेले में खरीदारी के लिए रात 8:00 बजे तक महिलाओं की भीड़ का आना-जाना लगा रहा।

संपादकीय

चुनाव ईवीएम से ही

महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम चुनाव आयोग ने घोषित कर दिया है। वायनाड और नांदेड़ लोकसभा सीटों के साथ-साथ 48 विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी उपचुनाव होंगे। उप्र के बाद महाराष्ट्र सबसे बड़ा सदन है, लिहाजा 288 सदस्यों की विधानसभा है। यहां से 48 सांसद चुन कर लोकसभा में भी जाते हैं। उस लिहाज से एक और चुनावी महासमर सज गया है। चूंकि हरियाणा में कांग्रेस जीती हुई बाजी हारी है, लिहाजा महाराष्ट्र कांग्रेस और उसके कथित सर्वोच्च नेता राहुल गांधी के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है। यदि महाराष्ट्र कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की झोली में आता है, तो एक बार फिर विपक्ष ताकतवर, लामबंद होकर उभर सकता है। यदि महाराष्ट्र का जनादेश भी, हरियाणा की तर्ज पर, 'महायुति' (भाजपा-एनडीए) के पक्ष में रहा, तो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा दावा कर सकेंगे कि 'भगवा' और 'विकास' का कोई जवाब नहीं। मोदी भी अतुलनीय नेता हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ जो छद्म नेरेटिव गढ़ा गया था और वह महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में सफल भी रहा था, उसे एनडीए के पक्ष में जनादेश ध्वस्त कर सकता है अथवा भाजपा-एनडीए का नया नेरेटिव कारगर साबित हो सकता है। झारखंड अपेक्षाकृत छोटा चुनाव है और 81 सदस्यों की विधानसभा है। वहां भाजपा की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। झामुमो के संस्थापक नेताओं में से एक चंपई सोरेन के भाजपा में आने के बाद आदिवासियों का एक पूरा क्षेत्र भाजपा की ओर ध्रुवीकृत हो सकता है। चंपई का उस इलाके में बहुत सम्मान है और उन्हें 'टाइगर' कहा जाता है। बहरहाल नवंबर में मतदान होने के बाद 23 नवंबर को दोनों राज्यों के जनादेश घोषित किए जाएंगे, लेकिन एक बार फिर 'ईवीएम' का सवाल और आपत्तियां भी सामने हैं। विपक्ष का एक तबका शिद्दत से मांग करता रहा है कि मतदान बैलेट के जरिए कराया जाए। चुनावों की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ईवीएम पर सवालों के जवाब भी दिए और स्पष्ट किया कि मतदान ईवीएम के जरिए ही होंगे, क्योंकि यह 100 फीसदी सुरक्षित है। विपक्ष ने कई पुरानी आपत्तियों को भी दोहराया, जो आज अप्रासंगिक हैं। हरियाणा में अप्रत्याशित हार के बाद कांग्रेस ने ईवीएम पर ही ठीकरा फोड़ा है, लेकिन वह हरियाणा में ही 37 विधायकों की जीत के सवाल पर अनुत्तरित रहती है। कांग्रेस को तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल जैसे राज्यों में और 99 लोकसभा सीटों पर जनादेशी जीत, ईवीएम के जरिए ही, हासिल हुई थी, उसका जवाब भी कांग्रेस नहीं देती। कांग्रेस को राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी ईवीएम के जरिए ही जीत हासिल हुई थी और सरकारें बनी थीं, तब ईवीएम की प्रौद्योगिकी पर सवाल क्यों नहीं उठाए गए? मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम पेजर की तरह 'कनेक्टिव' नहीं होती और न ही इसे हैक किया जा सकता है। इसकी सुरक्षा तीन लेयर की होती है। ईवीएम में बैटरी 6 दिन पहले डाली जाती है और मतदान, मतगणना के समय ईवीएम की चेकिंग की जाती है। हरियाणा की हार के बाद कांग्रेस ने ईवीएम की बैटरी सरीखे तकनीकी सवाल उठा दिए। बहरहाल जो सवाल उठाए गए हैं, चुनाव आयोग उनका जवाब जरूर देगा, क्योंकि हम लोकतांत्रिक देश में रहते हैं। दरअसल बार-बार ईवीएम पर सवाल उठाने के बजाय कांग्रेस और समूचा विपक्ष अपनी 'चुनावी हार' स्वीकार करने की हिम्मत क्यों नहीं कर लेता? जो जीत है, उसे भी ईवीएम की जीत माना जाए। हम अब 21वीं सदी में रहते हैं। प्रौद्योगिकी में हर रोज बदलाव आ रहे हैं, वह उन्नत हो रही है, उसे धारण करने के बजाय क्या हम 'बैलेट' वाले युग में ही रहना चाहेंगे? दुनिया जानती है कि बैलेट वाले दौर में पोलिंग स्टेशन के भीतर मतदान को किस तरह बदला जाता था, बूथ छापे जाते थे, जनादेश फर्जी होता था, क्या विपक्ष उसी 'मध्यकालीन दौर' में लौटना चाहता है? बैलेट मतदान में भी हार हुई, तो विपक्ष क्या करेगा? ईवीएम का मुद्दा सर्वोच्च अदालत तक जा चुका है, शीर्ष न्यायिक फैसला भी देश के सामने है।

वायनाड और नांदेड़ लोकसभा सीटों के साथ-साथ 48 विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी उपचुनाव होंगे। उप्र के बाद महाराष्ट्र सबसे बड़ा सदन है, लिहाजा 288 सदस्यों की विधानसभा है। यहां से 48 सांसद चुन कर लोकसभा में भी जाते हैं। उस लिहाज से एक और चुनावी महासमर सज गया है। चूंकि हरियाणा में कांग्रेस जीती हुई बाजी हारी है, लिहाजा महाराष्ट्र कांग्रेस और उसके कथित सर्वोच्च नेता राहुल गांधी के लिए 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है। यदि महाराष्ट्र कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की झोली में आता है, तो एक बार फिर विपक्ष ताकतवर, लामबंद होकर उभर सकता है। यदि महाराष्ट्र का जनादेश भी, हरियाणा की तर्ज पर, 'महायुति' (भाजपा-एनडीए) के पक्ष में रहा, तो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा दावा कर सकेंगे कि 'भगवा' और 'विकास' का कोई जवाब नहीं।

युवाओं के साथ-साथ अब छोटे बच्चों में भी मोबाइल पर रील्स बनाने की आदत होने लगी है

लाइक-कमेंट के चक्कर में मौत की रील

डॉ. सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है। बच्चे अपने माता-पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है, उसमें रील बना रहे हैं। रिस्क भी ज़्यादा लेते हैं। ऐसे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की ज़रूरत है।

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। भारत में टिकटॉक पर बैन लगने के बाद रील्स और मीस बनाने का चलन सामने आया। इसके बाद लोग इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने लगे। रील्स में इंफॉर्मेशनल, फनी, मोटिवेशनल और डांस समेत कई तरह के वीडियो होते हैं। रील्स एक तरह का इंस्टाग्राम पर शॉर्ट वीडियो होता है। शुरुआत में यह रील्स 30 सेकंड का होता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 90 सेकंड का कर दिया है। रील बनाने का युवाओं के बीच ऐसा क्रेज आजकल है कि वह कहीं भी रील बनाने लग जाते हैं। कई बार इस रीलबाजी के चक्कर में लोग अपना ही नुक़सान भी करा बैठते हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के शगल के कारण युवा ज़िन्दगी में रील बनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कब यह शौक सनक की हद तक पहुँच जाता है, पता ही नहीं चलता। नियमों को ताक पर रखकर रील बनाने के जुनून में जान तक गंवा देते हैं। शहर में ही युवाओं को फ़ेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक, फ्लाई ओवर पर, चलती रेल में कोच के डिब्बे के बीच खड़े होकर या बाइक चलाते हुए रील बनाते देखा जा सकता है। युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में ख़ुद के साथ-साथ कई बार दूसरों तक की जान से

खिलवाड़ कर डालते हैं। लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक-चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना। रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज़्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य-व्यंग्य, खान-पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है। रील्स की बजाय अपने दोस्तों के साथ समय गुजारें मॉर्निंग वॉक के साथ व्यायाम करने में समय बिताएंरील्स देखने के कारण बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखेंबच्चों के सामने कम से कम मोबाइल का इस्तेमाल करेंबच्चों को वक़्त दें, उनसे पारिवारिक बातें करें। फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए टेलेंट होना बहुत ज़रूरी है। यदि आपके अंदर टेलेंट है तो फॉलोअर्स अपने आप ही बढ़ जाएंगे। यदि युवा ट्रैक पर खड़े होकर रील बना रहे है तो बहुत ग़लत है। इससे दूसरे बच्चों पर भी ग़लत असर पड़ेगा। रील बनाने वालों के साथ उनकी वीडियो देखने वालों की भी मूर्खता है। इनका विरोध करना चाहिए। युवा जल्दी फेमस होने के लिए रील बना रहे हैं, जोकि बहुत ग़लत है। मैं कई जगह रेलवे ट्रैक और फ्लाई ओवर पर रील बनाते हुए युवाओं को देखता हूँ। उन्हें रील बनानी है तो सबसे पहले सुरक्षित जगह चुनें। बच्चे रेलवे ट्रैक या फिर रिस्क वाली जगह पर रील बना रहे हैं तो माता-पिता को इन पर निगरानी रखनी चाहिए। सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है। बच्चे अपने माता-पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है उसमें रील बना रहे हैं। रिस्क भी ज़्यादा लेते हैं। ऐसे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की ज़रूरत है। युवाओं के साथ-साथ अब छोटे बच्चों में भी मोबाइल पर रील्स बनाने की आदत होने लगी है। बच्चे घर पर अकेले रहते हैं सोशल मीडिया का अट्रैक्शन है। सबको अच्छा लगता है कि उन्हें लोग पसंद करे, तारीफ करें। इससे बचने का यही उपाय है कि बच्चों को मोबाइल का प्रयोग कम करने दे। मोबाइल देखते समय बड़े उनके साथ ही रहें, जिससे वह कुछ ग़लत ना कर सके।

दृष्टि कोण

बेकाबू महंगाई का सितम झेलती जनता

भारत सहित हिमाचल में इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हिमाचल में जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन चल रहा है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं। ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुर्माने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। त्योहारी सीजन के बीच में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 3.65 प्रतिशत थी। वहीं सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। महंगाई बढ़ने के पीछे खाद्य एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा

आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न और सब्जियों की बर्बादी न करें। अधिकारियों से उम्मीद है कि वे खाद्य वस्तुओं, विशेषकर फल, सब्जियों की उपलब्धता पर नजर रखने के साथ-साथ उनके दामों को नियंत्रण में रखते हुए सब्जी विक्रेताओं को प्रतिदिन के भावों को लिखकर बोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगे, ताकि गरीब एवं सामान्य जनता को उनके हाथों से लुटने से बचाया जा सके। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है। आज अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना-प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना-देना ही नहीं है। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है। क्या आयकर विभाग ऐसे विक्रेताओं की कमाई तथा टैक्स देयता की भी जांच पड़ताल करेगा? प्रश्न यह भी उठता है कि जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है? अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं? लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी तो अंततः जनता जनार्दन की कृपा से ही सरकारें बनाने का सुफल मिलता है, तो फिर क्यों वे आम जनता के हितों को नजरअंदाज करते हैं? सरकार को चाहिए कि वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और कालाबाजारी निवारण एवं आवश्यक वस्तु आपूर्ति रखरखाव अधिनियम 1980 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करे। अंततः सवाल उठता है कि क्या सरकार और अफसरशाही के पास इस लूटपाट को अंजाम देने वाले जमाखोरों, मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने का जीवट है।

कुछ अलग

फड़फड़ाती जिंदगी...

मुर्दा होंठों पर थोड़ी सी जिंदगी के लक्षण, थोड़ी सी फड़फड़ाहट अभी दिखाई नहीं दी। कैसे दिन गुजर गए। अकल्पनीय, दुख और क्षोभ के हर सीमांत से परे। इस देश के लोगों को आज तक बड़बोले बायोस्कोप दिखाए गए हैं। इस बायोस्कोप में से दादी मां के जादुई पिटारे सा ऐसा शब्दजाल निकाल कर महामना रचते रहे कि लोगों को हमेशा लगता रहा कि सच उनके वोटों से रचा हुआ उनका सुनहरा संसार अभी निकल कर सामने आया कि आया। अच्छे दिन उनकी जेब में रखे किसी विदेशी कीमती पेन की तरह चमक रहे हैं। अब कोई हाथ बेकार नहीं रहा, नौकरियां उनके पीछे-पीछे चलेंगी और भूखे पेट पर तबला बजाओ। अब ऐसा किसी गाने, किसी नाटक के संवाद में भी कहा या बोला गया तो सबको गलत लगेगा। गंदी बस्तियां महानगरों का पिछवाड़ा होती हैं। यह सच हम भूल जाएंगे। न मक्खी रहेगी न मच्छर, न कूड़ा रहेगा और न कर्कट। स्वच्छ भारत के नारों से आकाश कुछ इस प्रकार गूंजने लगा, कि लगता पर्यावरण प्रदूषण बखानने वाले युग बोध से कट गए। ऐसा नहीं कि इस जागते देश में पहले विषाणु नहीं थे, लेकिन ये विषाणु नजर आते थे। नौकरशाही की फाइलों के नीचे लगे चांदी के पहियों के रूप में नजर आते थे कि जो नागरिकों के दिए गए समयबद्ध सेवा के अधिकार को बातूनी बना देते। इस सेवा के सूचना पट्ट नजर आते, नीचे वही ठनठन गोपाल। अधूरे प्रोजैक्ट्स, गुम कर दी गई फाइलें और क्लर्कों से लेकर अफसरशाही तक का सेवा चाहने वालों के बारे में स्मृतिभ्रम। अपनी जिंदगी बस इसी तारीख पर तारीख में इन दफ्तरों की दहलीजों पर अपने जूतों के तलवे घिसाने में गुजर गई। काम अभी भी स्थगन के भंवर में हैं और इसकी चौकी उठा कर विलम्ब के अंधेरों में पहुंचा देने वाले महानुभाव हमारी पकड़ में न आए। परंतु इन्हें विषाणु कैसे कह देते, शक्लोसूरत से तो हम जैसे बेचारे से लोग लगते थे। कड़ी फटकार से इन पर कभी असर नहीं होता। कायदा-कानून और दण्डविधान को इनकी ऐसी दवा बता दिया गया जो कभी कारगर होती अभी तक नजर नहीं आई। फिर आया मध्यजनों और बीच के दलालों का युग। देश के कायाकल्प में गैर-सरकारी सेवा संस्थानों का महत्व बहुत बताया जाता रहा है। जहां बैंक और सरकारी वित्तीय संस्थान काम न करें, वहां ये गैर-कानूनी सेवा और वित्तीय संगठन सब कुछ कर गुजरते हैं, सुनते हैं। सपना है, अमरीका और चीन जैसे बाहुबलियों को पछाड़ कर दुनिया का सबसे शक्तिमान महाबलि बन जाने का और कहां देश में ऐसी मंदी, ऐसी बेरोजगारी और ऐसी महंगाई आ गई कि जैसी पिछले कई वर्षों से न देखी थी। स्वतःस्फूर्त विकास के सब सपने धराशायी हो गए। खेतीहर देश भारत में खेतीबाड़ी सदा पूरी आबादी का दो-तिहाई काम रही है। कृषि इस देश में जीने का ढंग थी। लेकिन जब इस देश ने शक्तिमानों के सामने सलाम के सिवाय जीने का कोई और ढंग ही नहीं सीखा, सदियों गोरे अंग्रेजों को कोर्निश बजाते रहे। अब नए मालिक भा गए तो उनकी जी हजूरी में सलाम बजाने लगे। हमारे मीरे कारवां इन झूठी गवाहियों के बल पर देश की अभूतपूर्व तरक्की को उपलब्धि बताते रहे। हम इन विजय यात्राओं के इस कारवां के गुजर जाने के बाद अपने अतीत के गौरव को शिरोधार्य करके रसलिल्लाह हो जाने का अभ्यास कर रहे हैं। भूख और बेकारी से ग्रस्त लोग कभी शहरों से गांव और फिर गांव में भी आसरा न पा शहरों की ओर वापस भागते नजर आते हैं।

देश दुनीया से

'करना' या 'बन जाना'

संपन्न और आरामदायक जीवन जीते हुए राबर्ट कियोसाकी जब मोटे हो गए तो उन्होंने अपनी मानसिकता बदली और शीघ्र ही उन्होंने वजन घटा लिया। उनके मित्रों और प्रशंसकों ने जब उनसे पूछा कि वजन घटाने के लिए उन्होंने क्या किया, यानी किस तरह की डाइटिंग की, किस तरह के व्यायाम किए, तो उन्होंने जवाब दिया कि हमें यह समझना चाहिए कि परिवर्तन दिमाग से शुरू होते हैं, या यूं कहें कि दिमाग में शुरू होते हैं। जब मैं मोटा हो गया था और मैंने अपना वजन घटाने का निश्चय कर लिया तो मैं जानता था कि मुझे अपने विचार बदलने थे और सेहत के बारे में खुद को दोबारा शिक्षित करना था। इसलिए मैंने जो किया, वह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि मैंने अपनी सोच को बदला, नया ज्ञान प्राप्त किया और उस ज्ञान को जीवन में उतारा।

रिच डैड पुअर डैड और 'कैशफ्लो क्वाड्रैंट' जैसी समयातीत पुस्तकों के जापानी मूल के विश्व प्रसिद्ध अमरीकी लेखक की एक साधारण सी बात ने मेरी सोच को एक नई दिशा दी थी। संपन्न और आरामदायक जीवन जीते हुए राबर्ट कियोसाकी जब मोटे हो गए तो उन्होंने अपनी मानसिकता बदली और शीघ्र ही उन्होंने वजन घटा लिया। उनके मित्रों और प्रशंसकों ने जब उनसे पूछा कि वजन घटाने के लिए उन्होंने क्या किया, यानी किस तरह की डाइटिंग की, किस तरह के व्यायाम किए, तो उन्होंने जवाब दिया कि हमें यह समझना चाहिए कि परिवर्तन दिमाग से शुरू होते हैं, या यूं कहें कि दिमाग में शुरू होते हैं। जब मैं मोटा हो गया था और मैंने अपना वजन घटाने का निश्चय कर लिया तो मैं जानता था कि मुझे अपने विचार बदलने थे और सेहत के बारे में खुद को दोबारा शिक्षित करना था। इसलिए मैंने जो किया, वह उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि मैंने अपनी सोच को बदला, नया ज्ञान प्राप्त किया और उस ज्ञान को जीवन में उतारा। सोच को ही बदल देने के कारण ही संभव हो सका कि मैंने न केवल वजन घटा लिया, बल्कि उसे दोबारा बढ़ने से भी रोक सका। कुछ 'करने' या कुछ 'बन जाने' के अंतर का यह बेहतरीन उदाहरण था कि खानपान बदलने और व्यायाम शुरू करने से पहले राबर्ट कियोसाकी ने अपनी सोच को बदला। सहज संन्यास मिशन परिवर्तन की मानसिक यात्रा पर ले चलने वाला ऐसा मंच है जो समाज को 'करने' और 'बन जाने' का अंतर समझाने के काम में जुटा है। आइए, इस पर जरा बारीकी से गौर करते हैं। यदि हमें किसी व्यक्ति से कोई काम लेना हो तो हम बहाने ढूंढ़-ढूंढ़ कर उसकी प्रशंसा करते हैं, दरअसल वह प्रशंसा नहीं होती बल्कि वह चापलूसी है क्योंकि हम स्वार्थवश ऐसा कर रहे हैं। सामने वाला वह व्यक्ति हमें अच्छा लगे या न लगे, हम उसकी बड़ाई इसलिए करते हैं क्योंकि हमें उससे अपना कोई काम निकलवाना है। यह हो सकता है कि जब हम उसकी प्रशंसा कर रहे हों तो हमारे मन में उसके प्रति खिसियाहट हो, द्वेष हो और असल में हम उससे नाराज हों, लेकिन अपने स्वार्थ की खातिर न केवल हम अपनी नाराजगी छुपाते हैं, बल्कि झूठ-मूठ में उसकी प्रशंसा भी करते हैं, यह काम सिर्फ 'करने' का उदाहरण है। जब हम अनमने मन से कोई अच्छा काम करें तो वह सिर्फ 'करना' है, 'होना' या 'बनना' नहीं है। जब हम अपनी मानसिकता बदल लेते हैं और यह समझ लेते हैं कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति शत-प्रतिशत आदर्श व्यक्ति नहीं है, उसी तरह जिस तरह हम भी शत-प्रतिशत आदर्श व्यक्ति नहीं हैं और हम में भी कई कमियां हैं। जब हम लोगों को और उनकी कमियों को उसी रूप में स्वीकार करना आरंभ कर देते हैं, जब हम उनकी तथाकथित कमियों के बावजूद उनसे प्रेम करने की भावना विकसित कर लेते हैं, तो हमने अपनी सोच को बदला, सोच को परिष्कृत किया और हम एक बेहतर इनसान बन गए। यह सिर्फ 'करना' नहीं है, 'होना' है, 'हो जाना' है, 'बन जाना' है, यह परिवर्तन है और स्थायी है। जब हमारे दिल और शब्दों में सीधा संबंध होता है तो हम दिखावा नहीं कर रहे होते, हमारी जुबान हमारे दिल की बात कहती है, हम सिर्फ अच्छे दिखते नहीं, सिर्फ अच्छे काम करते नहीं, बल्कि मन से, आत्मा से भी अच्छे हो जाते हैं। 'करने' और 'बन जाने' का यह अंतर हमारा जीवन ही बदल देता है। जब हमारी सोच बदलती है तो हम सफलता के नए सोपान तय करते हैं, तब हम प्रचुरता में जीवन जीते हैं और सुखी और खुशी का जीवन जीते हैं। आज हमें सहज संन्यास मिशन के 'एचएचपीपी' फार्मूले को समझने की आवश्यकता है जो हमें हैल्दी, हैपी, पीसफुल और प्रासपेरस, यानी, स्वस्थ, खुश, शांत और समृद्ध होने की राह दिखाता है, वरना यह भी जाना-माना सच है कि बहुत से अमीर लोग या सफल दिखने वाले लोग भी अपने जीवन में इतने परेशान होते हैं कि आत्महत्या तक का खतरनाक कदम उठा लेते हैं, और दुनिया को तब पता चलता है कि सफल दिखने वाला व्यक्ति असल में खुद कितना दुखी था। अपनी सोच में बहुत छोटे-छोटे बदलाव करके हम सब स्वस्थ, खुश, शांत और समृद्ध बन सकते हैं और हमारा देश उन्नति की राह पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। जब हम सिर्फ कुछ करते हैं, पर उस काम के लिए मन से सहमत नहीं हैं तो वह सिर्फ 'करना' हैं क्योंकि हमारी सोच में और हमारी मानसिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन जब हम जो कुछ भी कर रहे हैं उसे अपने दिल, दिमाग और आत्मा में पूरी तरह आत्मसात कर लेते हैं तो हम वैसे ही 'हो जाते' हैं, वैसे ही 'बन जाते' हैं, जैसे काम करते हैं। 'हो जाना' या 'बन जाना' पहले घटित होता है और हमारे काम उस बदलाव के, उस परिवर्तन के प्रतिफल स्वरूप हैं, तो कहीं कोई दिखावा नहीं है, आवरण नहीं है, छल नहीं है। इस स्थिति को अंग्रेजी में 'स्टेट ऑफ लविंग कांइडनेस' (प्यार भरी दयालुता की स्थिति) कहकर परिभाषित किया गया है। तब हम निस्वार्थ भाव से सबसे प्रेम करते हैं, अपनों से भी, मित्रों से भी और अनजान व्यक्तियों से भी।

आप का नजरीया

पर्वतीय ट्रांसपोर्ट सिस्टम

पर्वतीय यातायात के दबाव, भविष्य की जरूरतें और जीवन की बदलती रफ्तार के कारण हिमाचल जैसे राज्यों को कई विकल्प, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय नवाचार से सीखना होगा। भुंतर से जयपुर की उड़ान अपने संपर्क के आकाश में जो खोज रही है, उसका तात्पर्य यातायात की सहजता में मिलेगा। हिमाचल को परिवहन का अनुभव बदलने के लिए नित नए विकल्प चाहिए। बेशक हवाई यात्राओं का खाका बड़ा हो रहा है और हेलीपोर्ट के जरिए कई अनछुए रास्ते अब आकाश को छूने के लिए लालायित हैं। हिमाचल ने कमोबेश यह सीख लिया है कि उसे अपनी तरक्की के रास्तों पर विमान सेवाओं, हेलीटैक्सी आपरेशन व रज्जु मार्गों को अपने स्तर पर वरीयता देनी होगी। इसी संदर्भ में शिमला रोप-वे व कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार इस सदी की दिशा बदलने के सूचक बनने जा रहे हैं। न्यू डिवेलपमेंट बैंक (एनडीबी) और केंद्र सरकार के सहयोग से बनने वाला करीब चौदह किलोमीटर लंबा रज्जु मार्ग, हिमाचल के शहरीकरण को विकास की एक नई तहजीब देगा। देश का सबसे लंबा पर्वतीय ट्रैफिक सिस्टम शिमला की जीवंतता को एक ऐसे मकाम पर पहुंचाएगे, जहां पर्यटक सीजन के ट्रैफिक जाम से निजात व राजधानी की भीड़ को सुविधाजनक व गतिशील वैकल्पिक यातायात व्यवस्था मिलेगी। यह दीगर है कि इस परिकल्पना के परिदृश्य में कई और संभावनाएं नक्शे पर आएंगी और इस सफलता के पैमाने पर्वतीय ट्रांसपोर्ट सिस्टम की व्यापकता में शहरीकरण, पर्यटन व माला ढुलाई प्रबंधन को दिशा बदल सकते हैं। खासतौर पर सेब व माल ढुलाई के नेटवर्क अगर ऐसी ही रोप-वे परियोजनाओं को आगे बढ़ाते हैं, तो कल की सब्जी व फल मंडियां एक नए प्रारूप में होंगी। हिमाचल में मंदिर पर्यटन के साथ रज्जु मार्गों का नेटवर्क जुड़ता है, तो नयना देवी की तर्ज पर टारना देवी, चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, दियोटसिद्ध व बालासुंदरी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोप-वे स्थापित किए जा सकते हैं। इसी तरह फैलते शहरों के आगोश में बिगड़ती परिवहन सेवाओं में सुधार तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए मनाली, धर्मशाला व मंडी जैसे शहरों में ट्रैफिक ट्रांजिट सिस्टम के तहत रज्जु मार्गों के विकल्प तैयार करने होंगे। हिमाचल की हालिया करवटों में अगर शिमला रोप-वे एक संभावना से यथार्थ की ओर बढ़ रही है, तो इसी तरह कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार भी आने वाली सदियों से संबोधित है। पल भर की दुनिया को मु_ी में भरने की कोशिश में, इंकलाब तब आता है जब जज्बात की बारात निकलती है। कांगड़ा एयरपोर्ट एक ऐसी परिकल्पना है जो एक ओर नरम सियासत की हिदायतों की पेशबंदी में फंसी है, तो दूसरी ओर सदी की वकालत में कठिन मोर्चे पर खड़ी है। विकास की तहरीरें अब बदल रही हैं। यह सारा साजोसामान बदलना होगा, घर में रोशनी के लिए खिडक़ी बदलनी होगी। हिमाचल को आगे बढ़ता हुआ देखने के लिए ख्वाब बदलने पड़ेंगे और इसकी जद्दोजहद में राजनीतिक कारवां अब यह न सोचे कि पुरानी राहों पर ही कोई चमत्कार होगा।

हरियाणा : नायब सरकार के शपथ ग्रहण पर राजग ने दिखाई एकजुटता

राजग शासित 16 राज्यों के मुख्यमंत्री एक मंच पर

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की नायब सैनी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह समेत केंद्र के कई मंत्री मौजूद रहे। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के शीर्ष नेताओं ने भी इस मंच पर एकजुटता दिखाई। गुरुवार को हुए कार्यक्रम के दौरान राजग शासित 16 राज्यों के मुख्यमंत्री, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर भी शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नायब सिंह सैनी को लगातार दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पंचकूला में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, ऊर्जा एवं हाउसिंग और अर्बन अफेयर्स मंत्री मनोहर लाल, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी तथा मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह शामिल हुए। केंद्र सरकार के राज्यमंत्रियों में राव इंद्रजीत सिंह, कृष्ण पाल गुज्जर, राम दास अठावले, जयंत चौधरी, अनुप्रिया पटेल और सत्यपाल सिंह बघेल ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने भी मंच साझा किया। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मणिपुर के मुख्यमंत्री नोंगथोम्बम बीरेन सिंह, मेघालय के मुख्यमंत्री कानराड संगमा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले), त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा तथा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों के उप मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहे।

प्रिंसिपल-टीचर्स के ट्रांसफर पर अभी केवल फुफकार मारी, संभल जाओ : राठौड़

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने पिछले कई फैसलों पर लिए गए यू-टर्न के कारण घिर गई है। नेताओं में आपसी कम्युनिकेशन की कमी को इसका बड़ा कारण बताया जा रहा है। हाल ही में उपचुनाव की आचार संहिता से कुछ देर पहले शिक्षक-प्रिंसिपल के ट्रांसफर और फिर आदेश को निरस्त करने पर भी सरकार की नीति पर सवाल उठे। इसी को लेकर विपक्ष ने भी सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं। अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सरकार का बचाव करते हुए कहा है कि इसमें दिक्कत क्या है। हमारा आपसी समन्वय काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि फुफकार मारना और डसना अलग बात है। फुफकार इसलिए मारते हैं कि संभल जाओ। जिस काम में हो, वहां सेवाएं अच्छी दो। हमने फुफकार मारकर समझा दिया। इससे बाकी लोग अच्छे से काम करें। कुछ घंटे में ही तबादलों के आदेश वापसी पर मदन राठौड़ ने कहा कि इसमें क्या दिक्कत है। हमारे एक मंत्री ने दूसरे की चिट्ठी को सम्मान दिया। मैं दूसरे मंत्री का बड़प्पन मानता हूं कि इसका सम्मान किया। हमने कभी एक-दूसरे की टांग खिंचाई नहीं की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा पर भी सियासी पलटवार किया। राठौड़ ने कहा कि कि हमारे और कांग्रेस में बड़ा अंतर है। कांग्रेस नेता एक-दूसरे को नकारा-निकम्मा और न जाने क्या-क्या बोल देते थे। हम आपस में समन्वय रखते हैं। वहीं, उपचुनावों की तैयारियों पर राठौड़ ने कहा कि हम उपचुनावों में जनता के बीच सरकार के कामों को लेकर जाएंगे। हमारी सरकार ने पिछले 10 माह में जन कल्याण से जुड़े काम किए हैं। यह उपचुनाव हम विकास के मुद्दे पर लड़ेंगे। प्रत्याशी चयन को लेकर राठौड़ ने कहा कि जो जनता के बीच सेवक बनकर जाता है और जिसको जनता पसंद करती है, उसे हम टिकट देंगे। असल में मंगलवार (15 अक्टूबर) को शिक्षा विभाग ने एक ही लिस्ट में 40 स्कूल प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए थे।

रामगढ़ विस उप चुनाव 18 से 25 अक्तूबर तक भरे जा सकेंगे नाम-निर्देशन पत्र

अलवर (हिंस)। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रामगढ़ विधानसभा उप चुनाव 2024 के लिए 18 अक्तूबर से नाम-निर्देशन पत्र भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी तथा 25 अक्तूबर तक अभ्यर्थियों द्वारा प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी रामगढ़ के कार्यालय में नामांकन भरे जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 28 अक्तूबर को की जाएगी तथा 30 अक्तूबर तक अभ्यर्थनाएं वापस ली जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि नाम-निर्देशन पत्र भरने की प्रक्रिया के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के प्रोटोकॉल के तहत नामांकन भरने के लिए अभ्यर्थी सहित कुल 5 व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय की 100 मीटर की परिधि तक अभ्यर्थी अधिकतम तीन वाहन ही अनुमत है। उन्होंने बताया कि नामांकन भरने के लिए आवेदन पत्र रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय रामगढ़ से प्राप्त किए जा सकते हैं।

तिरुपति धाम में चंद्रयान पर सवार हुए भगवान वेंकटेश, मनाया शरद महोत्सव

हिसार (हिंस)। नजदीकी गांव चिकनवास स्थित श्री तिरुपति बालाजी धाम में शरद महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के उपरांत जब चंद्रमा के दर्शन हुए तो भगवान वेंकटेश जी के विग्रह को माता श्रीदेवी व माता भूदेवी सहित चंद्रयान सवारी पर विराजमान किया गया। इसके उपरांत खीर का भोग लगाकर भगवान की आराधना की गई। गुरुवार को पूरा तिरुपति धाम जय श्रीमन्ननारायण, जय तिरुपति बालाजी व जय भगवान वेंकटेश के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं में खीर व सात्विक गोष्ठी प्रसाद का वितरण भी किया गया। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार शरद पूर्णिमा का अपना अलग ही महत्व है। इस दिन स्नान और दान का विधान है। ऐसा करने से रूकावटों का समाधान होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर चंद्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है। इसलिए इस दिन खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखकर उसका सेवन करना विशेष फलदायी माना गया है।

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल को अश्लील मैसेज भेज धमकी दी

जयपुर (हिंस)। पूर्व विधायक अमृता मेघवाल (39) को जान से मारने की धमकी के साथ वॉट्सऐप पर अश्लील मैसेज मिले हैं। इस पर उन्होंने जयपुर पुलिस आयुक्तालय के साइबर थाने में रिपोर्ट दी है। गृह, गोपालन, पशुपालन व डेयरी एवं मत्स्य विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने भी पूर्व विधायक के मामले में पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने तुरंत कार्रवाई की बात कही है। इसमे बताया है कि उनके वॉट्सऐप पर अश्लील मैसेज आ रहे थे। साथ ही वॉट्सऐप पर कॉल भी आई। उस नंबर पर दोबारा कॉल किया तो गालियां देने लगा। इस पर उसे शिकायत करने का कहा तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा और बोला कि तेरा हाल भी बाबा सिद्दीकी के जैसा कर दूंगा। इसके अलावा पूर्व विधायक को रेप करवाने की भी धमकी दी। मामला दर्ज होने के बाद भी उस नंबर से उनके वॉट्सऐप पर लगातार कॉल व मैसेज आ रहे हैं। पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने बताया कि उनके साथ पिछले कुछ सालों से ऐसी घटनाएं होती रही हैं। जयपुर में उन्हें पहले भी धमकाया गया था, इसे लेकर सोडाला थाने में रिपोर्ट दी थी। इसके अलावा उन पर 2021 व 2022 में दो बार हमले भी हुए हैं। इसको लेकर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में उन्होंने मामला दर्ज कराया था। इसके बाद हाल ही में आठ जुलाई को वे जालोर आई, तब उन्हीं के ससुराल पक्ष से विवाद हो गया था।

हरियाणा के दस जिलों से नहीं बना कोई मंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में नवगठित नायब सैनी सरकार में प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के विधायकों को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व मिला है। राव इंद्रजीत सिर्फ अपनी बेटी आरती राव को मंत्री बनवाने में कामयाब रहे हैं। वहीं राज्य के दस जिलों के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में राव और गुर्जर की पसंद के जितने भी उम्मीदवारों को टिकट दिए थे, अधिकतर चुनाव जीते हैं लेकिन माना जा रहा है कि मंत्री बनाने में मुख्यमंत्री सैनी ने अपनी स्वयं की पसंद-नापसंद का ख्याल रखा। नायब मंत्रिमंडल में दक्षिण हरियाणा से सबसे अधिक छह मंत्री शामिल किए गए हैं, जबकि उत्तर हरियाणा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कुल पांच मंत्रियों ने शपथ ली है। सबसे कम तीन मंत्री मध्य हरियाणा से बने हैं। लोकसभावार मंत्रियों के प्रतिनिधित्व का आकलन किया जाए तो रोहतक को छोड़कर बाकी सभी नौ संसदीय क्षेत्रों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिला है, जबकि प्रदेश के 22 जिलों में 10 जिले ऐसे हैं, जिनको मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। इन 10 जिलों में नूंह, सिरसा, फतेहाबाद, रोहतक और झज्जर ऐसे जिले हैं, जहां विधानसभा चुनाव में भाजपा का खाता ही नहीं खुल पाया। पंचकूला के कालका से भाजपा की शक्ति रानी शर्मा, कैथल के पूंडरी से भाजपा के सतपाल जांबा विधायक बने हैं। करनाल की पांचों सीटों पर भाजपा विधायक चुनाव जीते हैं, लेकिन यहां से एक भी मंत्री नहीं बना है। पहली बार भाजपा ने दादरी जिलों की दोनों सीटों दादरी व बाढ़डा में जीत हासिल की लेकिन यह जिला भी मंत्री पद से वंचित रह गया है। रेवाड़ी जिले की तीनों सीटों पर इस बार कमल का फूल खिला है, लेकिन किसी भी विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। उत्तर हरियाणा भाजपा का गढ़ माना जाता है। हर बार उत्तर हरियाणा से भाजपा की शानदार जीत होती रही है। इस बार उत्तर हरियाणा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अलावा चार विधायकों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिला है।

कोर्ट के आदेश के बाद भी पुलिस ने दर्ज नहीं की गैंगरेप की एफआईआर

जोधपुर (हिंस)। कमिश्नरेट की लूणी थाना पुलिस ने अदालत के आदेश के बाद भी गैंगरेप मामले की शून्य एफआईआर दर्ज नहीं की है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 04, जोधपुर महानगर ने करीब दस दिन पहले पुलिस को गैंगरेप की एफआईआर दर्ज किए जाने के आदेश दिए थे। पीड़िता की अधिवक्ता कांता राजपुरोहित, कौशल शर्मा, प्रद्युम पटेल एवं गुलशन गहलोत ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि पीड़िता अपने पति के साथ पूना में रहती है। वहां तीन माह पूर्व सोहेल नामक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को घटना के बारे में बताने पर उसे व बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। वह धमकी देकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करता रहा। गत 11 सितंबर को सोहेल के साथ कालू ने भी उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर समाज में बदनाम करने और बच्चों को जमीन में जिन्दा गाड़ देने की धमकी दी। डर के मारे किराये का मकान खाली कर पूना से जोधपुर रहे थे तब 29 सितंबर को बस से रवाना होते ही रास्ते में दिलदार लगातार फोन कर मुकदमा नहीं करने के लिए डराता-धमकाता रहा, करीब 50-60 लोगों के साथ अभियुक्तगण इक्कठे हुए।

संतों के सान्निध्य और वेद मंत्रों की गूंज के बीच *मेरी मातृभूमि-मेरी जिम्मेदारी* अभियान शुरू

बीकानेर (हिंस)। संतों के सान्निध्य और वेद मंत्रों की गूंज के बीच रानी बाजार स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय परिसर में *मेरी मातृभूमि-मेरी जिम्मेदारी अभियान* गुरुवार को शुरू हुआ। इस दौरान भामाशाहों द्वारा विद्यालय को 125 सैट टेबल-कुर्सियां, चार अलमारियां, एक कम्प्यूटर सैट मय प्रिंटर-यूपीएस तथा बच्चों के खिलौने भेंट किए गए। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास की पहल पर शुरू अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में शिवबाड़ी महंत स्वामी विमर्शानंद और बाल संत छैल बिहारी का सान्निध्य रहा। समारोह में भामाशाह श्रीकिशन मूंधड़ा, श्याम सुंदर सोनी और सुरेन्द्र जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने की। संतों और विधायक सहित समस्त अतिथियों ने भेंट की जाने वाली सामग्री का पूजन किया और यह सामग्री स्कूल प्राचार्य को सौंपी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मेरी मातृभूमि-मेरी जिम्मेदारी अभियान भामाशाहों, दानदाताओं और प्रवासी बीकानेर वासियों को जोड़ने का प्रकल्प है। जिससे वे अपनी मातृभूमि के महत्व को समझकर शहर के विकास मेंयोगदान दें। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विकास का कार्य किया जाएगा। विधायक ने कहा कि बीकानेर भामाशाहों की नगरी है। दान-पुण्य यहां के कण-कण में विद्यमान है। उन्होंने मुदंड़ा परिवार द्वारा बनाई जा रही मेडिसिन विंग को नजीर बताया और कहा कि अभियान के तहत ऐसे सभी दानदाताओं को प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रोत्साहन की जरूरत बताई और कहा कि संस्कृति एवं संस्कार को बचाने के लिए संस्कृत को अपनाना जरूरी है। पचीसिया ने कहा कि अभियान के लिए देशभर के भामाशाहों और प्रवासी नागरिकों से संपर्क किया जा रहा है। आने वाले दिनों में सभी को बीकानेर आमंत्रित किया जाएगा तथा प्रवासी सम्मेलन का आयोजन होगा। विद्यालय प्राचार्य डॉ. उषा सारस्वत ने स्वागत उद्बोधन दिया। संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी डॉ. किशन लाल उपाध्याय और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महावीर प्रसाद सारस्वत ने विचार व्यक्त किए।

बहराइच हिंसा के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

बहराइच (हिंस)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के महाराजगंज में रविवार को हुई रामगोपाल मिश्रा की हत्या के आरोप में फरार चल रहे दो आरोपियों की गुरुवार दोपहर पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान गोलीबारी में दोनों आरोपी घायल हो गए, जिन्हें गंभीरावस्था में बहराइच जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनकी पहचान मुख्य आरोपी रिंकू उर्फ सरफराज और तालिब के रूप में हुई है। सरफराज मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद का बेटा है और ये भी आरोपी है। पुलिस के अनुसार नानपारा कोतवाली के बाईपास पर हुई मुठभेड़ के दौरान सरफराज और तालिब के पैरों में गोली लगी है। इन्हें उपचार के लिए नानपारा सीएचसी में ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बहराइच जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। जहां उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया है। सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने बताया कि सरफराज और तालिब को अपराह्न 2.35 बजे घायलावस्था में यहां लाया गया। एक आरोपी के बाएं और दूसरे के दाएं पैर में गोली लगी थी। फिलहाल गोली अंदर ही फंसी हुई है। उनकी गंभीर हालत के देखते हुए उन्हें आगे के उपचार के लिए बहराइच जिला अस्पताल भेजा गया है। यूपी एसटीएफ प्रमुख अमिताभ यश ने कहा कि थोड़ी देर के लिए गोलीबारी हुई, जिसमें सरफराज और मोहम्मद तालिब घायल हो गए हैं। मामले में मुख्य आरोपी समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बहराइच में जिस मकान मालिक अब्दुल हमीद पर राम गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है, उसकी बेटी रुखसार ने आरोप लगाया है कि बुधवार को चार बजे उसके पिता अब्दुल हमीद, उसके दो भाई सरफराज, फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठाया था। उसके पति और देवर पहले ही पुलिस हिरासत में थे। किसी भी थाने से उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। रुखसार ने इनके एनकाउंटर किए जाने की आशंका जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने परिजनों की सुरक्षा की अपील की थी। ज्ञातव्य है कि बहराइच के महाराजगंज में रविवार शाम को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए बवाल में राम गोपाल मिश्रा नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने जिले में जमकर उत्पात मचाया। मंगलवार और बुधवार को जिले में तनावपूर्ण शांति रही। गुरुवार को महाराजगंज इलाके में भी इंटरनेट बहाल कर दिया गया। उधर, मृतक युवक के परिजनों ने दो दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

हिंदू स्वाभिमान यात्रा को लेकर तैयारी जोरों पर, यात्रा को बयानबाजी हुई तेज

भागलपुर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भागलपुर से हिंदू स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं। 18 अक्तूबर से इस यात्रा की शुरुआत होगी। यात्रा को सफल बनाने के लिए भागलपुर में कई सामाजिक और धार्मिक संगठन के साथ भाजपा के नेता और कार्यकर्ता जोर-शोर से तैयारी में जुटे हैं। उधर गिरिराज सिंह के इस यात्रा को लेकर बयान बाजी तेज हो गई है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष परवेज जमाल ने गिरिराज सिंह को पहचाने से इनकार करते हुए कहा कि देश संविधान से चलता है। संविधान सबों को घूमने और टहलने की आजादी देता है। इसमें अगर कोई गिरिराज नाम का आदमी आता है तो इससे हमलोग को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। स्वाभिमान यात्रा को लेकर भागलपुर में जोर शोर से तैयारी की जा रही है। शहर के जिला स्कूल मैदान में भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। 18 अक्तूबर को गिरिराज सिंह पहले बुढ़ानाथ मंदिर में पूजा करेंगे, फिर जिला स्कूल मैदान में एक सभा को संबोधित करने के बाद यात्रा की शुरुआत करेंगे। गिरिराज सिंह कैसे यात्रा में भागलपुर सहित आसपास के कई जिलों से काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है।

दीपावली से पहले मिलने लगे नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर, 1.86 करोड़ परिवार को मिलेगा लाभ

योगी सरकार ने जारी किया नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर वितरण का शासनादेश

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार ने पिछले वर्ष की तरह इस दीपावली पर भी नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर देने का शासनादेश जारी कर दिया है। योगी सरकार के इस कदम से प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का सीधा लाभ होगा। वहीं मुख्यमंत्री योगी के आदेश के बाद दीपावली से पहले ही नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू कर दिया गया है। पिछले वर्ष 1.85 करोड़ लाभार्थियों ने उठाया था लाभ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में साल में दो बार क्रमशः होली और दीपावली के अवसर पर नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर का वितरण किया जाता है। इसी के तहत दीपावली से पहले नि:शुल्क एलपीजी सिलेंडर वितरित करने का शासनादेश जारी कर दिया गया है। पिछले वर्ष जहां 1.85 करोड़ लाभार्थी परिवार और 85 लाख से अधिक महिलाओं को इसका लाभ दिया गया था। वहीं इस वर्ष लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 1.86 करोड़ हो गयी है। इसके लिए डबल इंजन की सरकार 1, 890 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। बता दें कि उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को 300 रुपए की सब्सिडी केंद्र सरकार दे रही है जबकि शेष छूट राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। योजना के तहत लाभार्थियों को 14.2 किग्रा. का सिलेंडर रिफिल दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी काशी में आधुनिक सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल का करेंगे उद्घाटन

विश्व स्तरीय आई केयर यूनिट का निर्माण रु 110 करोड़ के निवेश से, हॉस्पिटल 1.26 लाख वर्ग फीट से अधिक क्षेत्रफल में

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्तूबर रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आधुनिक आर झुनझुनवाला शंकरा सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे। अस्पताल की स्थापना आई केयर सर्विस प्रदाताओं में से एक शंकरा आई हॉस्पिटल, प्रमुख निवेशक राकेश झुनझुनवाला परिवार और शंकरा आई फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से की गई है। यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों को विश्वस्तरीय आई केयर उपचार उपलब्ध कराएगा। अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कांची कामकोटि पीठम के शंकराचार्य जगदगुरू विजयेन्द्र सरस्वती की खास मौजूदगी रहेगी। इसके अलावा एस वी बालासुब्रमण्यम (चेयरमैन, एसईएफआई), पद्मश्री डॉ. आरवी रमणी (संस्थापक और मैनेजिंग ट्रस्टी, शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया), मुरली कृष्णामूर्ति (एक्सीक्यूटिव चेयरमैन शंकरा आई फाउंडेशन) भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि वाराणसी का यह अस्पताल देश में शंकरा का 14वां अस्पताल है, जो हर साल सबसे गरीब मरीजों की 30, 000 नि:शुल्क आई सर्जरियां करेगा। अस्पताल की स्थापना में दक्षिण भारत (तमिलनाडु) के कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट ने शंकरा आई हॉस्पिटल को सहयोग दिया है। इस विश्वस्तरीय आई केयर सुविधा की स्थापना रु 110 करोड़ के निवेश से की गई है, इसमें 30 हजार सर्जरियां करने की क्षमता है, अस्पताल में 9 आपरेशन थिएटर्स के साथ अन्य जरूरी सुविधाएं होंगी। सबसे गरीब मरीजों को आई केयर एवं उपचार उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल क्रॉस-सब्सिडाइजेशन मॉडल (75:25) पर काम करेगा, जिसमें भुगतान करने वाले मरीजों से आई धनराशि का उपयोग जरुरतमंद मरीजों के उपचार के लिए किया जाएगा। संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी, शंकरा आई फाउंडेशन डॉ. आरवी रमणी के अनुसार भारत में नेत्रहीनों की आबादी दुनिया में सबसे अधिक है। इनमें से 80 फीसदी मामलों में अंधेपन को रोका जा सकता है। शंकरा आई हॉस्पिटल में हम सभी को गुणवत्तापूर्ण आई केयर उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। हमने 2030 तक देश भर में 5 लाख फ्री सर्जरियां करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल अनूठे हाइब्रिड मॉडल पर काम करेगा, जिसके तहत न सिर्फ वाराणसी बल्कि उत्तर प्रदेश के आस-पास के गांवों एवं जिलों से आए मरीजों को भी सब्सिडी के साथ सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके लिए संसाधन उन मरीजों से जुटाए जाएंगे जो इलाज का खर्च उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हाई-टेक और आधुनिक मल्टीपल स्पेशलिटी होंगी, जो मरीजों की आंखों की विभिन्न समस्याओं जैसे मोतियाबिंद, कॉर्निया, रेटिना, ग्लुकोमा, पीडिएट्रिक आप्थेल्मोलोजी, आक्युलोप्लास्टी, आई बैंक और कॉर्नियल ट्रांसप्लांट, क्लिनिकल एवं माइक्रो बायोलोजी लैबोरेटरी, फार्मेसी और आप्टिकल आदि के लिए आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स 330 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,842.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,367.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,013.96 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,329.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,492 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.27 प्रतिशत लुढ़क कर 19,432.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,030.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 178.27 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,002.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.05 प्रतिशत लुढ़क कर 2,608.99 अंक के स्तर तक आ गया है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,621.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,426.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 102.38 अंक यानी 0.44 प्रतिशत उछल कर 23,113.36 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,494.67 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,695.62 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 3,205.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में 43 फीसदी छोटी कंपनियों का बुरा हाल, उच्च ब्याज दरों के कारण ब्याज चुकाना भी हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली । दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं। इस साल अब तक 512 बड़ी कंपनियां खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं। यह 2020 की महामारी के दौरान से बस 6 कम है। महामारी के दौर को हटा दिया जाए तो यह 14 साल में सबसे बड़ी संख्या है। सितंबर में जहां 59 कंपनियां दिवालिया हुईं, वहीं अगस्त में 63 कंपनियों ने खुद को बैंकरप्ट घोषित किया। सबसे ज्यादा 81 कंपनियां कंज्यूमर सेक्टर में बैंकरप्ट हुई हैं। इंडस्ट्रियल में 60 और हेल्थकेयर में 48 कंपनियां इस साल बैंकरप्ट हुई हैं। इस बीच अमेरिका का कर्ज तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह 35.7 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो उसकी इकॉनम का करीब 125 फीसदी है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो साल 2010 में 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। स्थिति यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं।

इंटेग्रम एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता इंटेग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष जमा किए दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ 49.50 लाख के ताजा शेयर और निर्गम तथा प्रवर्तकों द्वारा 5.40 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान में कहा गया कि कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल अनुषंगी कंपनी इंटेग्रम ग्रीन एसेट्स में निवेश के लिए किया जाएगा, ताकि दो मेगावाट पीक (एमडब्ल्यूपी) सौर संयंत्र की स्थापना के लिए वित्तपोषण किया जा सके और कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई प्राप्त की

नई दिल्ली। टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक पारेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है।कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा। यह वाणिज्यिक संचालन की निर्धारित तारीख 31 दिसंबर 2027 से 35 वर्षों के लिए पारेषण सेवा प्रदान करेगा।

लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

निवेशकों को 1 दिन में लगा 6.03 लाख करोड़ रुपये का चूना

नई दिल्ली।
विदेशी निवेशकों की ओर से की गई चौतरफा बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बिकवाली के दबाव के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का सामना करना पड़ा। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही विदेशी निवेशकों ने आक्रामक तरीके से बिकवाली शुरू कर दी। इस बिकवाली के कारण शेयर बाजार अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.61 प्रतिशत और निफ्टी 0.89 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

कारोबार में ऑटोमोबाइल, टेलीकम्युनिकेशंस और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पीएसई, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी सेक्टर में लगातार तेजी का रुख बना रहा। इसके अलावा टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 457.26 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,272 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,691 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 101 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,491 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 584 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,907 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 256.71 अंक की मजबूती के साथ 81,758.07 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक मामूली मजबूती के साथ 81,781.40 अंक तक जा पहुंचा। हालांकि कुछ मिनट बाद ही बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में लुढ़क गया। कारोबार के दौरान बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल में सुधार नहीं हो सका। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 875 अंक से ज्यादा टूट कर 595.72 अंक की कमजोरी के साथ 80,905.64 अंक के स्तर पर आ गया। 22 अगस्त के बाद पहली बार सेंसेक्स 81 हजार अंक के स्तर से नीचे फिसल गया। हालांकि कारोबार के अंत में हुई मामूली खरीदारी से सेंसेक्स एक बार फिर 81 हजार अंक के स्तर को पार करके 494.75 अंक की गिरावट के साथ 81,006.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,027.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही ये सूचकांक मामूली तेजी के साथ 25,029.50 तक पहुंचा लेकिन इसके बाद मंदड़ियों के दबाव में इस सूचकांक ने भी लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 300 अंक लुढ़क कर 242.40 अंक की कमजोरी के साथ के सबसे निचले स्तर 24,728.90 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 21 अंक की रिकवरी करके 221.45 अंक की गिरावट के साथ 24,749.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस 2.50 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.33 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.21 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 1.07 प्रतिशत और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बजाज ऑटो 12.89 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.89 प्रतिशत, नेस्ले 3.39 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.37 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प 3.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एलआईसी ने शुरू किया सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान छोटे निवेशकों को मिलेगा फायदा

मुंबई।
एलआईसी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए छोटी बचत योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक नई डेली एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) योजना शुरू की है, जहां निवेशक मात्र 100 रुपए प्रतिदिन के साथ निवेश कर सकते हैं। इससे छोटे व्यापारियों को फायदा होगा जो रोज पैसा कमाते हैं। यह सुविधा 16 अक्टूबर से शुरू हो गई है। एलआईसी म्युचुअल फंड ने सिर्फ एलआईसी एमएफ टैक्स सेवर और एलआईसी एमएफ यूलिप को छोड़ अपनी बाकी सभी स्कीमों में रोजाना 100 रुपए सिप से निवेश करने की इजाजत दे दी है। डेली सिप के लिए कम से कम 60 इंस्टॉलमेंट के निवेश की शर्त है। निवेशक अगर मंथली सिप से निवेश करना चाहते हैं तो वे एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीमों में हर महीने सिर्फ 200 रुपए के सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से निवेश कर सकते हैं। इसके लिए न्यूनतम इंस्टॉलमेंट कम से कम 30 होना चाहिए। निवेशक अगर हर तिमाही निवेश करना चाहता है तो वह एलआईसी म्यूचुअल फंड की स्कीम में हर तिमाही न्यूनतम 1000 रुपए का निवेश सिप के जरिए कर सकता है। कुछ समय पहले सेबी ने म्यूचुअल फंड्स की स्कीमों को लोगों के निवेश के दायरे में लाने के लिए छोटे अमाउंट के सिप शुरू करने का ऐलान किया था। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच भी कई बार माइक्रो सिप का जिक्र कर चुकी हैं। उनका मानना है कि इससे आबादी के बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड की स्कीमों में निवेश कर ज्यादा रिटर्न का फायदा उठा सकता है।

सेवेंटीन ने जीयूवीएनएल के साथ पहला हाइब्रिड बिजली खरीद समझौता किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड की शाखा जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सेवेंटीन लिमिटेड ने एसटीयू से जुड़ी 192 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता के लिए कंपनी का पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बयान के अनुसार, पीपीए पर 3.27 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से 25 वर्ष की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं।

हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ में पैसा लगाने से कतरा रहे निवेशक

मुंबई।
दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ मंगलवार को खुला था। गुरुवार को इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने का तीसरा और आखिरी दिन है। बुधवार को इस आईपीओ का दूसरा दिन था। लेकिन निवेशक हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ में पैसा लगाने से कतरा रहे हैं। दो दिन बीत जाने के बाद भी इस आईपीओ को सिर्फ 42 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही मिला है। जहां एक तरफ कुछ आईपीओ खुलने के कुछ घंटों में ही पूरी तरह से सब्सक्राइब हो जाते हैं, वहीं दूसरी ओर ये आईपीओ दो दिन में आधा भी सब्सक्राइब नहीं हुआ है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक 27,870 करोड़ रुपए वाले इस आईपीओ के तहत 9,97,69,810 शेयरों की ऑफरिंग के लिए अभी तक सिर्फ 4,17,21,442 शेयरों के लिए ही सब्सक्रिप्शन मिला है। गौरतलब है कि भारतीय शेयर बाजार का सबसे बड़ा आईपीओ है। इससे पहले सरकारी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम का 21,000 करोड़ रुपए का आईपीओ आया था। बुधवार तक हुंडई के आईपीओ ने सिर्फ एम्प्लॉई कैटेगरी में ही 131 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन हासिल किया है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशन्स ने इस आईपीओ के लिए अभी तक 58 प्रतिशत, नॉन-इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने 26 प्रतिशत, रिटेल इंवेस्टर्स ने अपने कैटेगरी में 38 प्रतिशत ही सब्सक्राइब किया है। इसका मतलब ये हुआ कि हुंडई के आईपीओ को कर्मचारियों के अलावा किसी भी कैटेगरी के निवेशकों से कोई भाव नहीं मिल रहा है।

प्राणिक लॉजिस्टिक्स के शेयरों में लिस्टिंग के तुरंत बाद लगा अपर सर्किट, आईपीओ निवेशकों को 7 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिये सिर्फ एक कंपनी ने कारोबार की शुरुआत की। देशभर में लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी प्राणिक लॉजिस्टिक्स के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। कंपनी के शेयरों की 2.60 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 77 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे लेकिन उनकी लिस्टिंग इश्यू प्राइस से 2 रुपये ऊपर यानी 79 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 82.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही इस शेयर से 7.73 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

प्राणिक लॉजिस्टिक्स का 22.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 14 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 218 गुना से भी अधिक सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल्स बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 35.67 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 744.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन को 97.21 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29,18,400 नए शेयर जारी किए गए हैं।

कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी आम कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने के साथ ही टेक्नोलॉजी में निवेश करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और कैपिटल एक्सपेंडिचर में करेगी।

प्राणिक लॉजिस्टिक्स 2015 से देशभर में 86 कमर्शियल गाड़ियों के काफिले के जरिए लॉजिस्टिक्स सर्विसेज मुहैया कराती है। आर्थिक मोर्चे पर भी कंपनी की सेहत में लगातार मजबूती आती रही है। 2021-22 में कंपनी को 31.54 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2022-23 में बढ़ कर 93.23 लाख रुपये और 2023-24 में उछल कर 4.07 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की ओर से अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में जमा कराए गए दस्तावेजों ने बताया गया है कि कंपनी का राजस्व 41 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि रफ्तार से बढ़ कर 67.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

तीन दिन की कमजोरी के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 78 हजार के पार

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,050 रुपये से लेकर 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,560 रुपये से लेकर 71,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत से व्यापार में चीन सबसे आगे

नई दिल्ली। चीन इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के टॉप आयात स्रोत के रूप में उभरा है। इस अवधि में कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ है यानी सामान चीन से भारत आया है। वहीं इसी अवधि में अमेरिका देश के लिए टॉप एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। अमेरिका को सामान का किया जाने वाला निर्यात 5.62 प्रतिशत बढ़कर 40.38 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में आयात 50.48 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में भारत में होने वाले आयात के शीर्ष 10 स्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान रूस से आयात बढ़कर 32.18 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 30.43 अरब डॉलर था। इसी तरह यूएई से होने वाला आयात इस अवधि में बढ़कर 31.46 अरब डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 20.70 अरब डॉलर था। इस अवधि के दौरान देश के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका रहे। यूएई को निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान बढ़कर 17.24 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15.47 अरब डॉलर था। इसी तरह चीन को निर्यात आलोच्य अवधि में बढ़कर 6.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 2023-24 में अप्रैल-सितंबर के दौरान 7.63 अरब डॉलर था।

सीबीए राउंड 2 : क़िंगदाओ ने शंघाई को हराया, झिंजियांग ने शेनझेन पर दबदबा बनाया

बीजिंग।
किंगदाओ ईगल्स ने बुधवार रात 2024-25 चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) सीज़न के दूसरे दौर में शंघाई शार्क्स पर 101-97 से कड़ी जीत दर्ज की। शंघाई ने पहले क्वार्टर में किंगदाओ की गति से बराबरी की, लेकिन बाद में बराबरी करने में संघर्ष किया।

चौथे क्वार्टर तक स्टार सेंटर वांग ज़ेलिन ने शंघाई को वापसी कराने की कोशिश की। लियू झेंग ने अंतिम क्षणों में एक महत्वपूर्ण थ्री-पॉइंटर मारा, लेकिन उनके साथी ट्रेमोंट वाटर्स ने आर्क से परे से गेम-टाईइंग शॉट मिस कर दिया, जिससे शार्क्स अंततः पीछे रह गए।

किंगदाओ के आक्रमण ने शानदार संतुलन दिखाया, जिसमें छह खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया। होनहार सेंटर यांग हैनसेन ने ईगल्स की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 17 अंक और 11 रिबाउंड का योगदान दिया।

इससे पहले मंगलवार को झिंजियांग फ्लाइंग टाइगर्स ने शेनझेन लेपर्ड्स पर 130-117 से शानदार जीत दर्ज की थी।

डेड्रिक लॉसन, जो प्रीसीजन और सीजन ओपनर दोनों में संघर्ष कर रहे थे, ने पहले क्वार्टर में 18 अंक बनाए, उन्होंने मैदान से 8 में से 7 शॉट लगाकर झिंजियांग को शुरुआती 23 अंकों की बढ़त दिलाई। उनके साथी क्वेंटिन पीटरसन बेंच से भी उतने ही प्रभावशाली थे, उन्होंने जोरदार प्रदर्न किया और झिंजियांग ने पहले हाफ में 81 अंक बनाए।

हालांकि शेनझेन ने दूसरे हाफ में वापसी की, लेकिन शुरुआती गैप को दूर करना बहुत मुश्किल साबित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

झिंजियांग के पांच खिलाड़ियों ने दोहरे अंकों में स्कोर किया, जिसमें लॉसन ने 31 अंक और 10 रिबाउंड के साथ खेल समाप्त किया, जबकि पीटरसन ने 32 अंक और आठ रिबाउंड किये।

दूसरे दौर के अन्य खेलों में, लिओनिंग फ्लाइंग लेपर्ड्स ने फुजियान स्टर्जन्स को 116-76 से हराया, झेजियांग गोल्डन बुल्स ने जिलिन नॉर्थईस्ट टाइगर्स को 121-113 से हराया, शांक्सी लूंग्स ने सिचुआन ब्लू व्हेल्स को 108-91 से हराया, बीजिंग रॉयल फाइटर्स ने जियांग्सू ड्रैगन्स को 109-84 से हराया, बीजिंग डक्स ने निंग्बो रॉकेट्स को 96-75 से हराया, झेजियांग लायंस ने नानजिंग मंकी किंग्स को 115-112 से हराया, और शेडोंग हीरोज ने ग्वांगडोंग साउदर्न टाइगर्स को 115-105 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच पद से हटेंगे डेल स्टेन, की पुष्टि

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने घोषणा की है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग

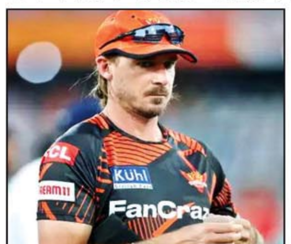

(आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच के रूप में वापसी नहीं करेंगे। हालांकि, स्टेन ने कहा कि वह एसए20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ कोचिंग में बने रहेंगे। स्टेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में मेरे साथ कुछ साल बिताने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद को बहुत-बहुत धन्यवाद, दुर्भाग्य से, मैं आईपीएल 2025 के लिए वापस नहीं आऊंगा। हालांकि, मैं यहां दक्षिण अफ्रीका में एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा। इस साल की शुरुआत में, स्टेन ने व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल 2024 के लिए खुद को अनुपलब्ध कर लिया था और सनराइजर्स ने मुख्य कोच डेनियल विटोरी के साथ काम करने के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फ्रैंकलिन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया था। 41 वर्षीय स्टेन ने अपने खेल के दिनों में आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स (अब बंद), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स और गुजरात लायंस (अब बंद) का प्रतिनिधित्व किया था। 2022 सीज़न से पहले सनराइजर्स के गेंदबाजी कोच के रूप में नामित होने से पहले उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2020 में आरसीबी के लिए खेला था। उन्हें उमरान मलिक और सनराइजर्स रैंक के कई अन्य तेज गेंदबाजों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। सनराइजर्स केकेआर से हारने से पहले आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंचे थे। 2018 में उपविजेता रहने के बाद से यह आईपीएल फाइनल में उनकी पहली उपस्थिति थी। पिछले साल विटोरी-फ्रैंकलिन कॉम्बो के तहत अपनी सफलता को देखते हुए सनराइजर्स अपने कोचिंग स्टाफ को बनाए रखने पर विचार कर सकते हैं।

सेल्टा विगो ने कोच गिराल्डेज़ का करार दो साल बढ़ाया

मैड्रिड। ला लीगा क्लब सेल्टा विगो ने अपने कोच क्लाउडियो गिराल्डेज़ का अनुबंध जून 2027 के

अंत तक बढ़ा दिया है। क्लब ने बुधवार को पुष्टि की। 36 वर्षीय पूर्व बी-टीम कोच, जिन्होंने पिछले सीजन के अंत में राफेल बेनिटेज़ की जगह ली थी, का पिछला अनुबंध जून 2025 में समाप्त होने वाला था। दो साल का विस्तार पिछले सीजन में सेल्टा को निर्वासन से बचाने और वर्तमान अभियान की शानदार शुरुआत के लिए उनके काम का इनाम है, जिसमें टीम ने नए अभियान के अपने पहले नौ मैचों में 13 अंक हासिल किए हैं, जबकि गिराल्डेज़ की आक्रामक फुटबॉल शैली की बदौलत क्लब ने इस प्रक्रिया में 16 गोल किए हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने 19 खेलों में 30 अंक हासिल किए हैं, जिसे अगर पूरे सीजन तक बनाए रखा जाए, तो यह यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने के लिए चुनौती पेश करेगा। क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, आरसी सेल्टा अपनी परियोजना को मजबूत कर रहा है, अपनी युवा प्रणाली के विकास को मजबूत कर रहा है और प्रशंसकों को फुटबॉल की एक व्यक्तिगत शैली दे रहा है, जो खुश, महत्वाकांक्षी और देखने में बहुत अच्छी है।

पूर्व विश्व चैंपियन महिला मुक्केबाज क्रिस्टी पर बन रही फिल्म

मुंबई । सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं महिला मुक्केबाज क्रिस्टी मार्टिन की जिंदगी पर एक फिल्म बन रही है। इसमें क्रिस्टी की भूमिका हॉलीवुड अभिनेत्री सिडनी स्वीनी निभाएंगी। सिडनी ने उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी दिखाया है कि वह इसके लिए कितने प्रयास कर रही हैं। इस एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह मुककेबाजी सीख रही है। इन तस्वीरों में सिडनी का हेयर स्टाइल 1990 के दशक की याद करा रहा है। स्वीनी डेविड मिचॉड द्वारा निर्देशित इस अनटाइटल्ड स्पोर्ट्स बायोपिक में मार्टिन की भूमिका निभा रही हैं, जिसका निर्माण हाल ही में शुरू हुआ है। एक पूर्व मुक्केबाज मार्टिन ने 1989-2012 तक तरीके से खेला और साल 2009 में सुपर वेल्टरवेट वर्ग में विश्व चैंपियन रहीं। स्वीनी ने बायोपिक के बारे में लिखा 'मैं पिछले कुछ महीनों से एक अविश्वसनीय और शानदार महिला की कहानी को जीवंत करने की ट्रेनिंग में डूबी रही हूं ।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी

पुरुष वर्ग में डिविलियर्स और कुक को मिला अवार्ड

दुबई ।
भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू यह सम्मान हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू के नाम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर आठ विकेट लेने का रिकार्ड है। इससे पहले पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से सम्मानित किया गया था। वहीं पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम का अवार्ड मिला है।

भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं।

अवार्ड मिलने से उत्साहित नीतू ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान मानती हूं। उन्होंने कहा, 'यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए यहां तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है।

नीतू ने कहा, 'अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। गौरतलब है कि नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही

जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट लिए थे जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट लिए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं।

वहीं कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड की ओर से खेला है। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे जबकि डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए डिविलियर्स को 'मिस्टर 360 भी कहा जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक, शतक और 150 रन का रिकॉर्ड बनाया और उन्हें खेल के इतिहास के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल किया जाता है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम जनवरी 2009 में शुरू किया गया जो वैश्विक संचालन संस्था के शताब्दी समारोह का हिस्सा था।

अंजुम ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर उठाये सवाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर सवाल उठाये हैं। अंजुम ने कहा कि टीम के टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन पर किससे सवाल करें से समझ नहीं आ रहा। विश्व कप से पहले फिटनेस और फील्डिंग को बढ़ाने के लिए भारतीय टीम के थिंक-टैंक ने काफी तैयारी की थी पर परिणाम शून्य रहा। भारतीय टीम ग्रुप-स्तर से ही बाहर हो गयी। फील्डिंग का स्तर इतना खराब था कि खिलाड़ियों ने 4 मैचों में

नौ कैच छोड़े। इसके अलावा कई मिसफील्ड भी हुए। ऋचा घोष भी विकेटकीपर के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाईं और उन्होंने कई बार रन दे दिये। इस को लेकर अंजुम ने कहा कि मैं पिछले 35 सालों से यह सुन रही हूं कि फिटनेस और फील्डिंग पर काम चल रहा है। यदि आपने अभी तक इसमें सुधार नहीं किया है, तो मुझे नहीं पता कि किससे पूछताछ करने की जरुरत है। इस बार में जब भी पूछा जाता है तो जबाव मिलता है कि हमें सीमित सुविधाएं मिली हैं और हम अभी भी अपनी फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में सुधार कर रहे हैं। फिर, हम सुन रहे हैं कि हम विश्व कप से पहले एक फिटनेस और फील्डिंग कैंप आयोजित कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आप अपने बड़े होने के दौरान फिटनेस सीखते हैं और जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं आप बेहतर होते जाते हैं। वास्तव में यही रास्ता होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि जब आप 20 साल के होते हैं तो आप सबसे फिट हो जाते हैं और जब आप 30 या उसके आसपास के होते हैं तो आप अपनी फिटनेस खो देते हैं।

बीसीसीआई अब मंधाना या जैमिमा को नया कप्तान बना सकती है

मुंबई।
आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद से हटाया जाना तय माना जा रहा है। हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान बनाने का दबावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर बढ़ता जा रहा है। कई दिग्गजों का मानना है कि अब भविष्य को देखते हुए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी सौंपनी चाहिये। ऐसे में बीसीसीआई जल्द ही हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान चुन सकती है। नये कप्तान के लिए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि अगर भारतीय टीम प्रबंधन नए कप्तान की ओर देख रही है, तो निर्णय लेने का यही सही समय है। साथ ही कहा कि मंधाना अनुभवी हैं पर युवा जेमिमा को कप्तान बनाया जाना ज्यादा बेहतर रहेगा। मिताली ने कहा, अगर चयनकर्ता बदलाव का मन बना रहे हैं तो मैं एक युवा कप्तान के साथ जाऊंगी। बदलाव का यही समय है क्योंकि अगर आप और देर करेंगे, तो अगले अक्टूबर में वनडे विश्व कप भी है। अगर आप अभी कप्तान नहीं बदलेंगे तो बाद में कप्तान बदलने का कोई मतलब नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, स्मृति मंधाना 2016 से उपकप्तान हैं और वह एक अच्छा विकल्प हैं लेकिन मैं जेमिमा के साथ जाना चाहूंगी क्योंकि वह अभी 24 वर्ष की हैं और काफी युवा हैं। वह अधिक समय तक टीम का नेतृत्व कर सकती हैं। वह एक ऐसी खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपने साथ काफी ऊर्जा लेकर आती हैं। वह हर किसी से बात करती हैं। मैं इस टूर्नामेंट में उनसे काफ़ी प्रभावित हुई।

शेफील्ड शील्ड : न्यू साउथ वेल्स की टीम में शामिल हुए स्टीवन स्मिथ और मिशेल स्टार्क

मेलबर्न।
स्टीवन स्मिथ और मिशेल स्टार्क रविवार से एमसीजी में शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के लिए खेलेंगे, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय ग्रीष्मकाल की तैयारी कर सकें। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड शील्ड प्रतियोगिता में नहीं खेलेंगे, लेकिन 25 अक्टूबर को जंक्शन ओवल में वन-डे कप मैच खेलने की उम्मीद है। कमिंस के भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले कोई लाल गेंद वाला क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं है, जबकि यही बात अब हेजलवुड पर भी लागू हो सकती है, क्योंकि शील्ड का तीसरा दौर पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत के साथ ओवरलैप हो रहा है। सीन एबॉट भी एनएसडब्ल्यू के लिए वापसी करेंगे, जो इंग्लैंड दौरे के अंत में मामूली चोट लगने के कारण शुरुआती दौर से बाहर रहे थे, जबकि नाथन लियोन, जिन्होंने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट लिए थे, फिर से खेलेंगे। स्टार्क ने आखिरी बार क्वींसलैंड के खिलाफ 2020-21 के फाइनल में शील्ड मैच खेला था, जबकि स्मिथ का पिछला मैच फरवरी 2021

में विक्टोरिया के खिलाफ था। मैथ्यू गिलकेस, रयान हैडली और लियाम हैचर इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट सेंट्रल में साउथ ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रॉ खेलने वाले ग्रुप से बाहर हो गए हैं। आने वाले दिनों में अन्य टीमों की घोषणा की जाएगी। न्यू साउथ वेल्स की टीम इस प्रकार है- सीन एबॉट, जैक्सन बर्ड, ओली डेविस, जैक एडवर्ड्स, मोइसेस हेनरिक्स, सैम कोंस्टास, नाथन लियोन, निक मैडिनसन, जैक निस्बेट, जोश फिलिप, तनवीर संघा, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क।

विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड के मुख्य कोच नियुक्त हुए थॉमस ट्यूशेल

लंदन।
फीफा विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए थॉमस ट्यूशेल को बुधवार को इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। जर्मनी के ट्यूशेल, जिन्होंने पहले पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी और बायर्न म्यूनिख का प्रबंधन किया था, 2026 विश्व कप से पहले जनवरी 2025 में अपना कार्यकाल शुरू करेंगे।

इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा कि जुलाई में यूरोपीय चैम्पियनशिप के बाद पद छोड़ने वाले गैरेथ साउथगेट की जगह लेने के लिए व्यापक तलाश के बाद ट्यूशेल को चुना गया।

ट्यूशेल ने जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड में प्रमुख ट्रॉफी जीतीं और दिवंगत स्वेन-गोरान एरिक्सन और फैबियो कैपेलो के बाद इंग्लैंड के तीसरे विदेशी कोच हैं। वह इंग्लैंड के सबसे सफल कोचों में से एक साउथगेट का स्थान लेंगे, जिन्होंने देश को बैक-टू-बैक यूरोपीय चैम्पियनशिप फाइनल और एक

विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया। यूरो 2024 के फाइनल में स्पेन से हार के बाद साउथगेट ने आठ साल बाद पद छोड़ दिया।

एफए ने कहा कि उसने ट्यूशेल पर फैसला करने से पहले कई उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था। ट्यूशेल ने 2021 में चेल्सी को चैंपियंस लीग खिताब दिलाने के दौरान यूरोपीय क्लब फुटबॉल का सबसे बड़ा पुरस्कार जीता। उन्होंने फ्रांस में पीएसजी और जर्मनी में बायर्न के साथ लीग खिताब जीते हैं। पिछले सीजन के अंत में बायर्न छोड़ने के बाद उन्होंने इंग्लैंड की नौकरी संभाली।

51 वर्षीय ट्यूशेल एफए के उस कोच को नियुक्त करने के दायरे में फिट बैठते हैं, जिसने उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है और चेल्सी के साथ अपने समय के बाद अंग्रेजी खेल को भी जानता है।

एफए ने जुलाई में कहा था कि उसे इंग्लिश फुटबॉल का अच्छा अनुभव रखने वाला और प्रीमियर लीग और/या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला कोई व्यक्ति चाहिए। उसने यह भी कहा कि नया कोच टीम को एक बड़ा टूर्नामेंट जीतने और लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के रूप में रैंक करने के लिए विकसित करेगा।

चेल्सी के मैनेजर के रूप में, ट्यूशेल ने पद संभालने के कुछ ही महीनों के भीतर क्लब को चैंपियंस लीग खिताब दिलाया था। उन्होंने प्रीमियर लीग क्लब के साथ यूईएफए सुपर कप और क्लब विश्व कप भी जीता। इंग्लैंड की एकमात्र बड़ी ट्रॉफी 1966 में विश्व कप थी।

आईपीएल 2025: क्लासेन, कमिंस, अभिषेक को रिटेन करने को तैयार सनराइजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली।
दक्षिण अफ्रीका के पावर-हिटर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शीर्ष रिटेंशन खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, क्लासेन को पहले रिटेन किए गए खिलाड़ी के रूप में 23 करोड़ रुपये मिलेंगे। फ्रैंचाइज़ी ने दो अन्य रिटेंशन डील को भी अंतिम रूप दिया है, जो ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पैट कमिंस (18 करोड़ रुपये), जो 2024 में सनराइजर्स के कप्तान थे, और भारत के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा (14 करोड़ रुपये) हैं। समझा जाता है कि सनराइजर्स के जल्द ही ट्रैविस हेड और नितीश कुमार रेड्डी को भी रिटेन करने की संभावना है। आईपीएल ने इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेंशन के लिए 31 अक्टूबर की समय सीमा तय की है। कमिंस, जिन्होंने पिछले सीजन में सनराइजर्स को फाइनल तक पहुंचाया था, 2025 में भी कप्तान बने रहेंगे। हाल ही में आईपीएल ने फैसला किया है कि एक फ्रैंचाइज़ 2024 की अपनी टीम से अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है - जिसमें अधिकतम पाँच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय या विदेशी) और दो अनकैप्ड भारतीय शामिल हैं।

फ्रैंचाइज़ नीलामी में रिटेंशन डील और राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड के किसी भी संयोजन के माध्यम से अपने खिलाड़ियों को बनाए रख सकती हैं। 2025 की नीलामी के लिए पर्स 120 करोड़ रुपये है। आईपीएल ने विभिन्न रिटेंशन स्लैब भी निर्धारित किए हैं, जो पहले तीन कैप्ड रिटेंशन के लिए 18 करोड़ रुपये, 14 करोड़ रुपये और 11 करोड़ रुपये, और अगले दो के लिए 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये, जिसमें अनकैप्ड भारतीयों को अधिकतम 4 करोड़ रुपये मिलेंगे, हैं, लेकिन फ्रैंचाइज़ को 75 करोड़ रुपये के कैप्ड रिटेंशन पॉट को पाँच कैप्ड खिलाड़ियों के बीच अपनी इच्छानुसार विभाजित करने की अनुमति है। कमिंस-वेटोरी नेतृत्व समूह ने अभिषेक और रेड्डी जैसे युवाओं को जो स्वतंत्रता दी, उससे उन्हें हेड और क्लासेन की संगति में फलने-फूलने में मदद मिली। हेड और अभिषेक ने यकीनन आईपीएल में अब तक देखी गई सबसे खतरनाक ओपनिंग जोड़ी बनाई, दोनों ने लगातार 200 से ज़्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हेड ने 15 पारियों में 191.55 की स्ट्राइक रेट से 567 रन बनाकर ओवरऑल रन बनाने वालों की सूची में चौथा स्थान हासिल किया। क्लासेन ने भी उतनी ही मज़बूत फिनिशिंग की, स्ट्राइक रेट के मामले में वह सिर्फ अभिषेक से पीछे रहे। अभिषेक ने 204.21 की स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए, जबकि क्लासेन ने 171.07 की स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए। क्लासेन की सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक के रूप में बढ़ती प्रतिष्ठा आईपीएल 2023 से पहले मिनी-नीलामी में सनराइजर्स द्वारा उनके लिए भुगतान किए गए 5.25 करोड़ रुपये से 338त्न की वृद्धि में परिलक्षित होती है। उन्होंने अब तक सनराइजर्स में अपने दो सत्रों में 26 पारियों में 174 की स्ट्राइक रेट से 927 रन बनाए हैं। अभिषेक के टी20 क्रिकेट में सफल वर्ष ने उन्हें 115त्न की मूल्य वृद्धि के साथ पुरस्कृत किया है। उन्होंने अपने आईपीएल 2024 के कारनामों के दम पर भारत के टी20आई कॉल-अप को अर्जित किया, और अब वह 2022 सीज़न से पहले मेगा नीलामी में सनराइजर्स द्वारा उनके लिए भुगतान की गई राशि (6.5 करोड़ रुपये) से दोगुने से अधिक की कमाई करेंगे। अभिषेक का 2024 में अब तक टी20 स्ट्राइक रेट 194.84 है, जो इस साल प्रारूप में 200 से अधिक गेंदों का सामना करने वाले किसी भी बल्लेबाज के लिए सबसे अधिक है। आईपीएल 2024 में भी, टूर्नामेंट के शीर्ष दस रन बनाने वालों में उनका स्कोरिंग रेट सबसे अधिक था। इक्कीस वर्षीय तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर रेड्डी - जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ़ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज़ में भारत के लिए पदार्पण किया था, और अपने दूसरे मैच में 34 गेंदों पर 74 रन बनाए थे - 2024 में सनराइजर्स के लिए एक भरोसेमंद सहायक साबित हुए थे, उन्होंने 142.92 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए और तीन विकेट लिए।

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बींसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरदुथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोंटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

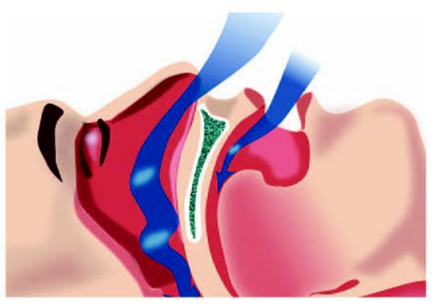

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

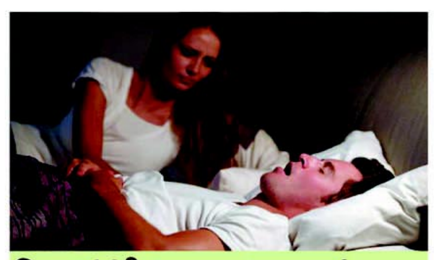

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेश्ठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्‌भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**